RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831

निष्पक्ष, निडर, नीतियुक्त पत्रकारिता

हिन्दी मासिक जोधपुर

माली सैनी सन्देश

वर्ष : 19 अंक : 207 29 अक्टूबर, 2022 मूल्य : 30/-प्रति

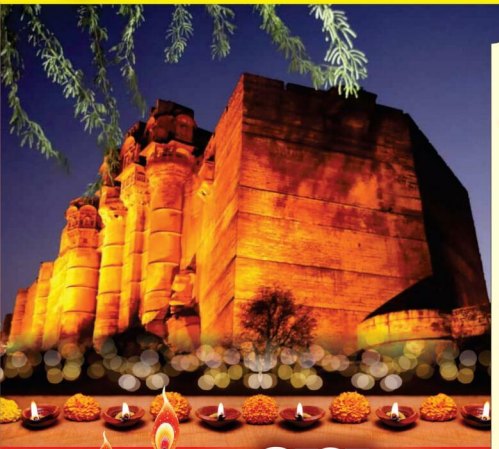

आरती श्री लक्ष्मी जी

ओ३म् जय लक्ष्मी माता,
मैया जय लक्ष्मी माता।
तुमको निशदिन सेवत, हर विष्णु धाताम॥
उमा, रमा, ब्रह्माणी, तुम ही जग-माता।
सूर्य-चन्द्रमा ध्यावत, नारद ऋषि गाता॥
दुर्गा रूप निरंजनि, सुख-सम्पत्ति दाता।
जो कोई तुमको ध्यावत, ऋद्धि-सिद्धि पाता॥
तुम पाताल-निवासिनि, तुम ही शुभदाता।
कर्म-प्रभाव-प्रकाशिनि, भवनिधि की त्राता॥
जिस घर में तुम रहती, सब सद्गुण आता।
सब सम्भव हो जाता, मन नहीं घबराताम॥
तुम बिन यज्ञ न होवे, वस्त्र न कोई पाता।
खान-पान का वैभव, सब तुमसे आताम।
शुभ-गुण मंदिर सुन्दर, क्षीरोदधि-जाता॥
रत्न चतुर्दश तुम बिन, कोई नहीं पाता।
मां लक्ष्मीजी की आरती, जो कोई जन गाता॥
उर आनन्द समाता, पाप उतर जाता।
ओ३म् जय लक्ष्मी माता,
मैया जय लक्ष्मी माता॥

सभी समाजबंधुओं को

शुभ दीपावली

सत्यनिष्ठ पूर्व हाईकोर्ट न्यायाधीश
परम आदरणीय श्रीमान् देवेन्द्रजी कच्छवाहा
को राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग का
अध्यक्ष नियुक्त होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।
राजस्थान के जननायक **श्रीमान अशोक जी गहलोत**
का हार्दिकआभार अभिनन्दन

फुले फाउंडेशन अन्तरराष्ट्रीय कुम्हेर भरतपुर द्वारा महात्मा ज्योतिबा फुले एवं माता सावित्री बाई फूले की प्रतिमाओं का अनावरण कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि डॉ. सत्यनारायण सिंह पूर्व आईएएस एवं डॉ. ओ. पी. सैनी पूर्व आईएएस की उपस्थिति में हुआ आयोजन। समाज के सभी वर्गों ने इस आयोजन में भागीदारी निभाई।

श्री सावित्रीबाई फुले सहकारी साख संस्था की प्रथम अध्यक्षा एवं समाज की वरिष्ठ सेविका

स्वर्गीय मनोरमा लिंबोदिया

की पावन प्रथम स्मृति पर श्री सकल पंच फूल माली समाज इंदौर महानगर के संरक्षक मनोहर लिंबोदिया द्वारा समाज के मेधावी बच्चों को शिक्षण सामग्री का वितरण कार्यक्रम श्री सकल पंच फूल माली समाज धर्मशाला पर सम्पन्न हुआ

RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831

Postal Regd No. Jodhpur/496/2021-23

माली सैनी सन्देश

● वर्ष : 19 ● अंक 207 ● 29 अक्टूबर, 2022 ● ● मूल्य : 30/-प्रति ●

माली सैनी संदेश पत्रिका के सम्मानीय संरक्षक सदस्यगण

श्रीमान रमेशचंद्र कच्छवाहा
(अध्यक्ष, ठेकेदार ऐसोसियेशन, नगर निगम जोधपुर)

श्रीमान लक्ष्मण सिंह सांखला
(समाजसेवी/भामाशाह)

श्रीमान मोहनसिंह सोलंकी
(उद्योगपति/समाजसेवी)

श्रीमान नरपतसिंह सांखला
(बिल्डर्स/समाजसेवी)

श्रीमान नेमीचंद गहलोत
(उद्योगपति/भामाशाह)

श्रीमान पुखराज सांखला
(अध्यक्ष, माली संस्थान, जोधपुर)

डॉ. किशन माली
(शिक्षक/ समाजसेवी)

श्रीमान ब्रह्मसिंह चौहान
(जिला उपाध्यक्ष, भाजपा, जोधपुर)

श्रीमान प्रदीप कच्छवाहा
(उद्योगपति)

श्रीमान भगवानसिंह गहलोत
(उद्योगपति/भामाशाह)

श्रीमान युधिष्ठर सिंह परिहार
(व्यवसायी/समाजसेवी)

श्रीमान सुरेश सैनी
(समाजसेवी)

श्रीमान (डॉ.) सुरेन्द देवड़ा
(ह्रदय रोग विशेषज्ञ, एम्स)

श्रीमान अशोक पंवार
(कॉन्ट्रेक्टर/भामाशाह)

श्रीमान संपतसिंह कच्छवाहा
(शिक्षाविद्/ समाजसेवी)

श्रीमान इंद्रसिंह सांखला
(समाजसेवी)

श्रीमान नरेश सांखला
(कॉन्ट्रेक्टर/समाजसेवी)

श्रीमान प्रवीण सिंह परिहार
(बिल्डर/उद्यागपति)

श्रीमान रामेश्वरलाल कच्छवाहा
(व्यवसायी/समाजसेवी)

श्रीमान (डॉ.) पवन परिहार
(शिशु रोग विशेषज्ञ, पावटा स्टेलाईट)

श्रीमान अरविंद कच्छवाहा
(व्यवसायी/समाजसेवी)

श्रीमान प्रीतम गहलोत
(व्यवसायी/समाजसेवी)

श्रीमान आर.पी. सिंह परिहार
(उद्योगपति/समाजसेवी)

श्रीमान बंशीलाल सैनी
(व्यवसायी/समाजसेवी)

सी.ए. श्रीमान महेश गहलोत
(उद्योगपति/समाजसेवी)

श्रीमान आदित्य सिंह गहलोत
(युवा राजनेता/समाजसेवी)

श्रीमान चंद्रसिंह देवड़ा
(समाजसेवी/उद्योगपति)

श्रीमान प्रकाश सिंह गहलोत
(कॉलोनाईजर/समाजसेवी)

श्रीमान दीपक सिंह गहलोत
(आईटी एक्सपर्ट/भामाशाह)

श्रीमान महेश गहलोत
(उद्योगपति/भामाशाह)

श्रीमान रामचंद्र सोलंकी
(पूर्व अध्यक्ष, रामदेवरा धर्मशाला)

ई. श्रीमान हरिसिंहजी पंवार
(MD, Teren Power PVt. Ltd.)

माली सैनी संदेश संरक्षक सदस्यता अभियान में आपका हार्दिक स्वागत है

माली सैनी संदेश पत्रिका के सम्मानीय संरक्षक सदस्यगण

जस्टिस श्रीमान देवेन्द्र कच्छवाह
(पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाईकोर्ट)

एडवोकेट श्रीमान पुरूषोत्तम सोलंकी
(समाजसेवी, बाड़मेर)

श्रीमान नरेन्द्रसिंह गहलोत
(पर्यावरणविद्, समाजसेवी, जोधपुर)

श्रीमान रघुभाई देवड़ा
(भामाशाह - समाजसेवी, सिरोही)

संपादक की कलम से...

सामाजिक एकजूटता के लिए विश्वसनीय बनना होगा

किसी भी संस्था, समाज सभा, संगठन, संघ, महासंघ, महासभा, परिषद, का निमार्ण एक दुसरे का विश्वास एवं दिल जीतकर समाज के उत्साहित, जागरूक, परोपेपकारी, जनसेवी, समाजसेवेवी लोगों का एक समूह के बिना संभव नहीं है। फिर कोई भी संस्था किसी उद्देश्य लक्ष्य कार्यक्रम को लेकर ही बनाई जाती है। बनाने वालों का आत्म विश्वास होता है, और इसी कारण संस्था बनने पर जो काम करती है, उसके पदाधिकारी एक दुसरे की टांग खिचांई जब-तक नहीं करते संस्था अपने उद्देश्यों लक्ष्यों को पाने हेतु कोई न कोई उपक्रम कार्यक्रम करती है। और जो कार्यक्रम होते है, यदि वे परोपकार-समाज सेवा की भावना से पदाधिकारीगण करते है उन्हें सभी का अपार सहयोग तन-मन-धन का मिलता रहता है, और बड़े से बड़े लक्ष्यों को पा सकते है। और पाने की लालसा से निरन्तर कुछ पदाधिकारी ईमानदारी से घर-बार की सेवा, देखभाल के साथ-साथ समाज सेवा करते हुऐ सम्मान भी पा रहे है। यह भी देखने में आता है कि जो भी पदाधिकारी अपनी वाहवाही अपने मान सम्मान अपनी महत्वकांक्षा के लिए करते है, उनको लम्बी अवधि तक सहयोगी लोग नेतागिरी स्वीकार नहीं कर पाते है। और एक न एक दिन ऐसे स्वार्थी तत्वों को भले ही पदाधिकारी बना लिया है या बन गया है। चाहे चुनाव से या आपसी सहमति से किन्तु ऐसे लोगों की स्वीकार्यता पर सन्देह उत्पन्न हो जाता है, और समय आने पर उन्हें संस्था के पद से अलग-अलग होना ही पड़ता है। कुछ अंहकारी अलग-अलग नई- नई संस्था बनाकर उससे जुडे लोग जब अलग होने लगते है, तब ऐसी संस्था बन्द सी हो जाती है, या घिसटती रहती है।

कोई भी संस्था बनने के बाद उसकी विश्वसनीयता बनाने हेतु उसे सरकारी विभाग से रजिस्टर्ड कराना ही चाहिये, फिर सरकारी लाभ पाने हेतु आवश्यक लेखा-जोखा बनाकर प्रतिवर्ष सभा में रखना जरूरी है, फिर आयकर विभाग में पंजीकृत कर आयकर की धाराओं के तहत लाभ पा सकते है। प्रतिवर्ष नियमानुसुसार शासन के विभाग को रिटर्न विधिवत रूप से भेजना जरूरी है। चाहे छोटी, मध्यम, वृहद कितनी ही बड़ी संस्था हो उसे लेखा जोखा से युक्त रखने का दायित्व पदाधिकारी होता है। और जहाँ विश्वास होता है, वहां सफलता मिलती है। फिर संस्था बनने के बाद सहमति से कार्यक्रम बनाकर समाज हितों की गतिविधियां करना पदाधिकारियों का दायित्व है यदि परोपकार के कार्य जनमानस के सामने आयेंगे तो तन-मन-धन से भरपुर सहयोग सहायता भी मिलती रहेगी, इसी कारण वर्षो पुरानी संस्थाओं द्वारा शिक्षण, प्रशिक्षण, संस्थान संचालित है। समाज हित के लिए हॉस्टल एवं शिक्षण संस्थाए बनाएं, स्वास्थ्य सेवा के केन्द्र बनाये सहकारी समितियां बनाकर परस्पर लाभ के कीर्तिमान स्थापित किये है। अनेकों संगठन युवक-युवति परिचय सम्मेलन आदर्श सामूहिक विवाह के सफल आयोजन करके समाज के हितों को आगे बढ़ा रहे है। समाज में व्याप्त कुरूतियां धीरे-धीरे समाप्त करने की दिशा में समाज सेवी पहल करते है। सामूहिक आयोजन से फिजुलखर्ची रूकती है, और जो धन बचता है, उससे परिवार की पीढ़ियों को शिक्षित, प्रशिक्षित, उद्योग व्यापार में पूँजी लगाकर अपने परिवार का तो भला करते ही है, और समाज हितेषी कार्यो के लिए योगदान देने की भावना भी पनपती है, एक तो बचत होती है, दुसरी और समाज का सम्मान, उसका यश चँहु ओर फैलाता है। यह सब परस्पर विश्वसनीयता से ही संभव हो सकता है। जो समाज एकजूट है, वह सभी दिशा में आगे भी बढ़ रहा है, उसके समर्पित कार्यकर्ता सामाजिक सम्मान के साथ राजनैतिक वर्चस्व भी हासिल करते है। एकजूटता से आय हमें किसी न किसी व्यक्ति को अपना मुखिया स्वीकार करना ही होगा, और स्थानीय मुखिया बनाकर ये मुखिया गण कस्बा, तहसील, जिला, संभाग, प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर इसी विश्वसनीयता से अपनी एकजटूटता स्थापित कर सकते है, और कई समाज अपनी एकता की शक्ति प्रकट भी करते है। इसी कारण थोड़ी सी नाममात्र की जनसंख्या वाले समाज सभी स्तर पर अगवानी राज कर रहे है।

शासन प्रशासन पर कब्जा करने में सफल हो रहे है। जरा चिन्तन करिये अपना समाज बड़ी जनसंख्या में 12 प्रतिशत से अधिक होने पर भी समाज कार्यकर्ताओं की भागीदारी प्रायः शून्य तक वर्षो से बनी हुई है, क्या कारण है, हम एक दुसरे की आलोचना करते है, टाँग खिंचाई करते रहते है, सामूहिक एकजूटटता बना कर जन शक्ति का परिचय नहीं देते है। धन, शक्ति का संचय ही नहीं करते, परस्पर योगदान क्यों नहीं करते शासन प्रशासन में क्यों पिछड़ रहे है। हमारी आवाज कहीं क्यों नहीं सुनाई देती है।

मनीष गहलोत
संपादक

सोचिये यदि हमारे बीच कोई विश्वसनीय व्यक्ति नीचे से राष्ट्रीय स्तर तक सामने आ जाये तो सामाजिक एकजूटता से सभी क्षेत्रों में आगे बढ़नें से कोई रोके नहीं सकता।

करिये चिन्तन और एकजूटता बनाने हेतु विश्वसनीयता के साथ कार्यक्रम करिये जरूर सफलता मिलेगी।

जाति समाज से करें प्यार, सुनो भाई जीवणा दिन चार, जो नहीं करता समाज से प्यार, तो समझो उसका जीवन है बेकार।
समाज सेवा है बड़ी हितकारी, मिलकर कदम बढ़ाओ, नर हो या नारी हमारे समाज का सुखी हो हर परिवार
विनती करता है माली सैनी संदेश परिवार बारम्बार।

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के स्वयं के विचार है। किसी भी विचार के साथ संपादकीय सहमति का होना आवश्यक नहीं है। सभी प्रंसगों का न्यायिक क्षेत्र जोधपुर ही होगा।

डॉ.वीरेन्द्र आजम सहित सैनी समाज के पांच लोगों को बाबू मुल्कीराज एवार्ड देकर किया सम्मानित

जो समाज अपने महापुरुषों का भूल जाता है वह विलुप्त हो जाता है : जसवंत सैनी राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के संसदीय कार्य एवं औद्योगिक विकास राज्य मंत्री जसवंत सैनी का कहना है कि जो समाज अपने महापुरुषों को भूल जाता है वह समाज विलुप्त हो जाता है। उन्होंने कहा कि तरक्की का रास्ता महापुरुषों द्वारा बताये सिद्धांतों और उनके आदर्शों को अपनाने से ही निकलता है। राज्यमंत्री श्री सैनी आज यहां गंगोह रोड स्थित एमआरएस पब्लिक स्कूल में सैनी वैल्फेयर फोरम द्वारा आयोजित स्वतंत्रता सेनानी एवं पूर्व सांसद बाबू मुल्कीराज सैनी की स्मृति में स्थापित छठे एवार्ड समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वे जनता के है और जनता के रहेंगे।

कार्यक्रम का शुभारंभ बाबू मुल्कीराज सैनी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पांजलि अर्पण से हुआ। इस अवसर पर सैनी समाज के पांच लोगों, शिक्षा व कला के क्षेत्र में कार्य करने वाले मुजफ्फरनगर के डॉ.महावीर सैनी, पत्रकारिता एवं साहित्य के लिए डॉ. वीरेन्द्र आजम, कृषि विविधिकरण के क्षेत्र में मदनलाल सैनी, न्यायिक व एडवोकेसी के क्षेत्र में गाजियाबाद के भुवनेश सैनी तथा समाज सेवा के लिए जयभगवान दिल्ली को मुख्य अतिथि जसवंत सैनी व सांसद डॉ. कल्पना सैनी सहित फोरम के पदाधिकारियों ने स्मृति चिह्न व शॉल ओढ़ाकर बाबू मुल्कीराज सैनी एवार्ड-2022 से सम्मानित किया। इस अवसर पर मंत्री जसवंत सैनी, सांसद डॉ.कल्पना सैनी, पूर्व विधायक नरेश सैनी, पूर्व मंत्री रामसिंह सैनी, पूर्व मंत्री डॉ.धर्मसिंह सैनी के प्रतिनिधि चरणसिंह सैनी, यूपी बार कौंसिल अध्यक्ष पीआर मौर्य, उत्तराखंड के वीरेन्द्र सैनी, संजय सैनी, श्यामवीर सैनी, रजनीश सैनी आदि को भी शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

उत्तराखंड से राज्य सभा सदस्य एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. कल्पना सैनी ने समाज के लोगों से एकजुट होने का आह्वान करते हुए कहा कि सैनी समाज पूरे देश में विभिन्न उपनामों से बिखरा पड़ा है, उसे संगठित करना होगा। उन्होंने महात्मा ज्योति बा फुले और अपने पिता व पूर्व मंत्री स्व. डॉ. पृथ्वी सिंह विकसित के समाज में योगदान का स्मरण करते हुए कहा कि जो समाज अपनी जड़ों की रक्षा करता है वहीं मजबूत रहता है।

प्रदेश के पूर्व गृहराज्य मंत्री रामसिंह सैनी ने चंद्रगुप्त मौर्य और सम्राट अशोक से लेकर महात्मा ज्योति बा फुले व पूर्व सांसद स्व. बाबू मुल्कीराज सैनी का उल्लेख करते हुए कहा कि सैनी समाज को इतिहास बहुत गौरवशाली है, हमें सहेज कर और संभालकर रखना होगा। इसके अलावा पूर्व विधायक नरेश सैनी, उत्तर प्रदेश बार कौंसिल के चेयरमैन पी आर मौर्य, जयभगवान सैनी आदि ने भी सम्बोधित किया। अध्यक्षता प्रख्यात उद्यमी व फोरम के अध्यक्ष बलबीर सिंह सैनी ने की।

इससे पूर्व बाबू मुल्कीराज के सुपुत्र विनीत सैनी, अभयसैनी एडवोकेट, डॉ. नरेश सैनी, बाबूराम सैनी, विक्रम सैनी सबदलपुर, रफल सिंह, जगपाल सैनी, इं. प्रमोद कुमार, डॉ. वीरेन्द्र सैनी, सत्यम संयम सैनी, नरेश सैनी, विवेक सैनी, रेखा सैनी सुनीता सैनी, माया सैनी, संजय सैनी, मनीष सैनी इं. सतीश सैनी, आजाद सैनी, मोहन सैनी, अशोक सैनी, रवि सैनी, शिवकुमार सैनी, काशीराम सैनी, सचिन सैनी, विक्रम सैनी एडवोकेट आदि ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। समारोह में उत्तराखंड से नरेश सैनी, सुभाष सैनी, राजकुमार सैनी, नाथीराम सैनी आदि शामिल रहे।

सादर निमंत्रण

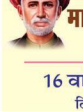

माली समाज गोडवाड़ युवा संस्थान

सादड़ी पाली (राज.)

16 वां प्रतिभावान सम्मान समारोह

दिनांक 30 अक्टूबर 2022 रविवार

स्थान : महात्मा फुले शिक्षा संकुल
सुथारों का गुड़ा सादड़ी

सम्पर्क : 9829285914 / 9930119343

एमएसवायएस कप सीजन-1 पर सैनी टाइगर्स ने केजेपी राजस्थान बुल्स को हराकर किया कब्जा

माली (सैनी) युवा संगठन कर्नाटक का प्रथम एमएसवायएस कप सीजन-1 क्रिकेट टूर्नामेंट हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

बेंगलुरु। माली (सैनी) युवा संगठन द्वारा केसीजी सीड ग्राउंड, चैंदापुरा दोमसन्द्रा रोड पर आयोजित एमएसवायएस कप सीजन-1 पर केजेपी राजस्थान बुल्स को फाइनल मैच में सैनी टाइगर्स को हराकर कब्जा किया।

इस क्रिकेट टूर्नामेंट में माली (सैनी) समाज की 16 टीमो ने भाग लिया और कुल 21 मैच खेले गए, सेमीफाइनल मैच माली इलेवन मैसूर ओर केजेपी राजस्थान बुल्स एवं सैनी टाइगर्स ओर रजवाड़ी किंग्स के मध्य हुआ, विजेता टीम सैनी टाइगर्स के कप्तान जगदीश चौहान,उप कप्तान राकेश सोलंकी को विजेता कप एवं नकद पारितोषिक प्रदान किया गया, उप विजेता टीम केजेपी राजस्थान बुल्स के कप्तान के कप्तान रमेश सोलंकी को उप विजेता कप एवं नकद पारितोषिक प्रदान किया गया !

टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज घनश्याम चौहान, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज अर्जुन सांखला एवं मेन ऑफ द सीरीज का खिताब घनश्याम चौहान को प्रदान किया गया। कार्यक्रम में माली (सैनी) समाज कर्नाटक के अध्यक्ष सज्जनराज सांखला, पूर्व अध्यक्ष भंवरलाल तंवर, कमल खिलवानी, अभिषेक सिंह, दुधाराम चौहान, प्रकाश कच्छवाह, तेजाराम चौहान, मदनलाल टाँक, नारायणलाल भाटी, किशोरकुमार कोलार, उदयराम बागड़ी, कॉतिलाल सुंदेशा, जगाराम परमार, लालाराम सोलंकी, सुरेश सोलंकी, मीठालाल चौहान का अभिनन्दन माली (सैनी) युवा संगठन के संरक्षक रूपेश सोलंकी, अध्यक्ष नरेश चौहान,उपाध्यक्ष जुगलकिशोर पंवार,कोषाध्यक्ष पवन भाटी, सह कोषाध्यक्ष महेश चौहान, मंत्री पवन चौहान, सह मंत्री सुरेश चौहान, सांस्कृतिक मंत्री अनिल भाटी, खेल मंत्री प्रकाश चौहान, सह खेल मंत्री राजेंद्र चौहान, प्रचार प्रसार मंत्री विजय सांखला ने किया। मेघराज बागड़ी ने बढ़िया अंदाज में कमेंट्री की।

कार्यक्रम में दिनेश चौहान,राजेंद्र तंवर, उत्तम पंवार, रमेश कच्छवाह, भूपेंद्र बागड़ी, बस्तीमल चौहान सहित माली (सैनी) समाज की सभी संस्थाओं के पदाधिकारी एवं विशिष्ट बन्धु उपस्थित रहे।

हार्दिक बधाई

समाज को एक सूत्र में बांधने का कार्य करने वाले सभी के हितेषी मारवाड़ ही नहीं पूरे राष्ट्र में मोती बाबा के नाम से प्रसिद्ध आदरणीय श्रीमान मोतीलाल सांखला को राजस्थान गौ सेवा आयोग के सदस्य नियुक्त होने पर हार्दिक बधाई एवं जननायक श्रीमान अशोक गहलोत का हार्दिक आभार अभिनंदन

बस ड्राइवर का बेटा भी बना जज, हरियाणा में समाज के 6 युवा बनें जज

हिसार की बेटी व बहु ममता सैनी बनी जज

हिसार। लक्ष्य निर्धारित कर दृढ़ संकल्प के साथ जब कोई आगे बढ़ता है तो उसे मंजिल अवश्य मिलती है। उसके रास्ते में आने वाली हर बाधा अपने आप रास्ता छोड़ देती है। ऐसा ही एक उदाहरण नारनौंद बेटी व हिसार की बहू ममता सैनी ने पेश किया है।

हरियाणा सिविल सर्विसेज (ज्यूडिशियल) में चयन पर ममता ने अपना जज बनने का सपना साकार किया है। ममता सैनी का लक्ष्य बचपन से ही जज बनने का था। माता पिता की प्रेरणा से वह बचपन से ही अपनी मंजिल की ओर आगे बढ़ रही थी। सन् 2013 में उसके हुई दर्दनाक घटना ने ममता को झकझोर कर रख दिया। एक सड़क दुर्घटना में ममता के पिता व बहन का निधन हो गया था। सिर से पिता का साया उठने के बाद ममता के लक्ष्य की ओर बढ़ते कदम डगमगाने लगे लेकिन ममता के बुलंद हौसले के चलते इस बाधा को भी उसने पार कर लिया। गत दिनों हरियाणा सिविल सर्विसेज के परिणाम में जज बनकर अपने स्वर्गीय पिता का सपना साकार किया। इस सफलता का श्रेय ममता सैनी ने अपने माता-पिता के अलावा सासससुर, पति व गुरुजनों को दिया है।

उन्होंने कहा कि पहले माता-पिता का लगातार हौसला मिलता था। जब शादी हो गई तो माता-पिता के रूप में सास-ससुर से उसे न केवल आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली बल्कि कदम-कदम पर हौसला भी मिलता रहा। नारनौंद के राजेंद्र कुमार व संतोष देवी के घर जन्मी ममता ने हिसार की नूर निवास स्कूल से दसवीं की परीक्षा पास की। इसके बाद उसने फतेहचंद स्कूल हिसार से 12वीं परीक्षा उत्तीर्ण की। ममता ने बीकॉम की डिग्री हिसार के एफसी कॉलेज से प्राप्त की। इसके बाद दिल्ली यूनिवर्सिटी से ममता ने एलएलबी की और हिसार की ओम यूनिवर्सिटी से एलएलएम किया। एलएलबी करने के बाद ममता ने परीक्षा दी और जज बनने का मुकाम हासिल किया। ममता ने बताया कि वर्ष 2013 का एक दिन उसके लिए बहुत दुखदायी था। सड़क दुर्घटना में उनके पिता राजेंद्र व बड़ी बहन की मौत हो गई थी। ममता सैनी ने बताया कि ससुर पूर्णचंद ने कभी पिता की कमी महसूस नहीं होने दी और लक्ष्य की ओर बढ़ने की प्रेरणा दी। ममता कहना है कि ससुर पूर्णचंद, माता शकुंतला देवी तथा पति जतिन ने उसे लगातार हौसला दिया और जिससे उसने यह मुकाम हासिल किया है। साथ ही ममता ने कहा कि इस उपलब्धि का श्रेय मेरे गुरुजनों को भी है जिनका मुझे समयसमय पर मार्गदर्शन मिलता रहा।

बस मैकेनिक का बेटा बना जज

पिहोवा। पिहोवा के निकटवर्ती गांव सैंसा निवासी श्यामलाल जो हरियाणा रोडवेज कैथल डिपो में मैकनिक का कार्य कर रहे है, उनका बेटा जज बन गया। आज जैसे ही ग्रामीणों का उसके गांव लौटने का पता चला तो गांववासी पिहोवा में ड्रेन पुल पर इकट्ठे हो गए तथा उसके घर लौटने पर गांव वालों ने जोरदार स्वागत किया। जज बनने पर विजेन्द्र सैनी ने बताया कि इस बार की दिवाली उसके व परिवार के लिए यादगार दिवाली होगी। वह शुरू से ही पढ़ाई में एकाग्रचित होकर लगा रहा, जिस कारण आज इस मुकाम पर पहुंचा। उसके परिवार वालो ने उसका हौसला बढ़ाया। स्कूल में किक्षक भी उसे इसके लिए प्रेरित करते रहे थे। इसके अलावा समाज की बेटी कोमल दहिया सैनी पुत्री श्री नरेश दहिया सैनी जींद, हरियाणा में जज के पद पर विराजमान हो गई। सैनी समाज महेंद्रगढ़ से आदित्य सैनी पुत्र श्री राजकुमार सैनी का भी हरियाणा जुडिशियल सेवा में चयन हो गया।

माली सैनी समाज सेवा संस्थान एवं माली सैनी संदेक परिवार सभी युवा जजों को हार्दिक बधाई एवं ज्ञुभकामनाएं प्रेे ित करते हुए आक्षा व्यक्त करता है कि आपकी कलम सच्चाई, गरीबों, वंचितों के साथ ही न्याय की पुकार के लिए खड़े हर व्यक्ति की मदद के लिए चलेगी।

आकांक्षा सैनी को सम्मानित करते सांसद नायाब सैनी

आदित्य सैनी

कोमल सैनी अपने माता पिता के साथ

अर्चना कुशवाहा राष्ट्रपति मुर्मुजी द्वारा हुई सम्मानित

सतना। मध्यप्रदेश जिला सतना की छात्रा स्वयंसेवक बहन अर्चना कुशवाहा जी को महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी द्वारा ''**राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार 2021-22**'' से सम्मानित किया जाना हम सभी के लिए गौरव का क्षण है।

अर्चना कुशवाह सतना ही नहीं बल्कि समूचे प्रदेश की छात्राओं के साथ समाज के युवाओं के लिए एक प्रेरणा हैं। माली सैनी समाज सेवा संस्थान और माली सैनी संदेश परिवार की ओर से आपको और आपके परिवार को बधाई एवं शुभकामनाएं।

युवा खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेवा पुरस्कार 2020-21की लिए मध्यप्रदेश के सतना जिले की छात्रा स्वयसेवक अर्चना कुशवाह का चयन होना और राष्ट्रपति से सम्मानित होना सतना जिले के साथ साथ पूरे मध्यप्रदेश के समाज के लिए गौरव की बात है अर्चना द्वारा किए गए स्वैच्छिक सामाजिक सरोकार एवं राष्ट्र निर्माण के कार्यों से प्रभावित होकर आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्रोत होगी। हम अर्चना को हार्दिक बधाई प्रेषित करते हुए उनके उज्जवलतम भवि ष्य की ञुभकामनाएं प्रेषित करते है।

युवा डा. आशुतोष सैनी ने 9वर्षीय बच्ची के जन्मजात खराब गुर्दे की नली का नि:शुल्क सफल ऑपरेशन किया

चौमूं। रॉगस रोड स्थित सैनी हॉस्पिटल यूरोलॉजी सेंटर के डिपार्टमेंट के हेड यूरोलॉजिस्ट डॉक्टर आशुतोष सैनी ने बताया कि एक परिवार अपनी 9 वर्षीय बच्चे को सैनी हॉस्पिटल में लेकर आया जिसकी जांच में पता लगा कि उसके जन्मजात गुर्दे की निचली नली बंद थी। जिससे गुर्दा धीरेधीरे खराब हो रहा था। अत: डॉ. सैनी ने बिना चीरे के दूरबीन के द्वारा सफल ऑपरेशन किया। ऑपरेशन पूर्ण रूप से नि:शुल्क था। बच्ची ऑपरेशन के बाद स्वस्थ है व डिस्चार्ज हो चुकी है।। परिवार वालों ने डॉ. सैनी धन्यवाद कहकर आभार प्रकट किया। इस मौके पर हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ बीएस सैनी (वरिष्ठ सर्जन), डॉ पूजा सैनी (चर्म रोग विशेषज्ञ), डॉ आशीष सैनी (डेंटल सर्जन), शंकर लाल सैनी (मैनेजिंग डायरेक्टर), व हॉस्पिटल का समस्त स्टाफ मौजूद था।

इससे पूर्व भी डॉ. सैनी ने अनेकों जटिल ऑपरेशन कर मरीजों को लाभान्वित किया है। आपकी सेवाभावी छवि के कारण क्षेत्र में आपकी प्रंक्सा होती है और आमजन में आप अपने मृदु व्यवहार एवं कार्यकुशलता के चलते बहुत प्रसिद्ध है। आपको अनेकों संस्थाओं एवं प्रशासन द्वारा भी सम्मानित किया गया है। हमें समाज के युवा डॉ. आशुतोष सैनी पर गर्व है।

बड़ौद की वंदना सैनी ने नहर में डूबते सात लोगों की जिंदगी बचाई

महेन्द्रगढ़। महेंद्रगढ़ के झगडोली नहर में गणेशजी की मूर्ति विसर्जन के दौरान बोंद निवासी 35 वर्षीय वंदना सैनी पत्नी लालाराम सैनी ने बहादुरी दिखाते हुए अपनी चुन्नी के सहारे 2 बच्चों समेत 7 लोगों की जान बचाई। वहीं इस हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई तथा तीन की अभी भी तलाश जारी है।

वंदना ने बताया कि नहर में मूर्ति विसर्जन के दौरान लोग मूर्ति को पानी में विसर्जित कर रहे थे। इसी दौरान अचानक से तेज बहाव से पानी आया। जिससे मूर्ति को पानी में लेकर खड़े लोग चिल्लाते हुए पानी के साथ बहने लगे। जिससे आसपास के लोगों में अफरातफरी के माहौल हो गया। इस दौरान वंदना ने बहादुरी दिखाते हुए अपनी चुन्नी के सहारे दो बच्चे सहित सात लोगों को बाहर निकाला तथा जिला अस्पताल को फोन कर तुरंत एंबुलेंस बुलाई। वंदना बताया कि लोगों को बचाने के दौरान शरीर पर जगह-जगह चोट के निशान हो गए। वहीं इस घटनाक्रम के बाद जिला कलेक्टर, प्रदेश सरकार मंत्री सहित अन्य लोगों द्वारा वंदना की हौसला अफजाई की। बता दें कि बोंद निवासी वंदना की शादी महेंद्रगढ़ में हुई है। वह सरकारी अस्पताल में नर्स के पद पर कार्यरत है। घटना के वक्त उनकी बेटी भी साथ थी। वंदना सैनी के बहादुरी की चर्चा पूरे प्रदेश के साथ समाज में हो रही है हम सभी वंदना सैनी का बहुमान करते है। ?

दो खूंखार आतंकवादियों को ढ़ेर करने वाले

बाबूलाल सैनी राष्ट्रपति वीरता पुरस्कार से हुए सम्मानित

खेतड़ी। आतंकियों को मार गिराने पर खेतड़ी के नानूवाली बावड़ी के रहने वाले सीआरपीएफ के जवान बाबूलाल सैनी को शुक्रवार को राष्ट्रपति वीरता पदक से नवाजा गया है, जिन्होंने अपना शौर्य दिखाते हुए वीरता का परिचय दिया और हिजबुल के आतंकियों को ढेर करने में सफलता हासिल की। सीआरपीएफ की रैपिड एक्शन फोर्स के स्थापना दिवस समारोह पर देश की गृह राज्य मंत्री की ओर से मेडल और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

जानकारी के अनुसार खेतड़ी तहसील के नानूवाली बावड़ी पंचायत के ढाणी बगड़िया के रहने वाले बाबूलाल सैनी सीआरपीएफ की रैपिड एक्शन फोर्स में 226 बटालियन में तैनात हैं। बाबूलाल सैनी ने जम्मू कश्मीर के सोफिया में 17 अप्रैल 2020 में हुए आतंकवादी हमले के दौरान मुठभेड़ में अपने शौर्य वीरता का परिचय देते हुए आतंकी संगठन हिज्बुल मुजाहिदीन के दो खूंखार आतंकियों को ढेर कर दिया था।जिस पर भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने 15 अगस्त 2021 को यह पुरस्कार देने की घोषणा की थी।

हैदराबाद के रंगारेड्डी में रैपिड एक्शन फोर्स के मुख्यालय में शुक्रवार को हुए आरएएफ के स्थापना दिवस पर गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा व सीआरपीएफ महानिदेशक सुजायलाल थाउसेन ने उन्हें यह पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इससे पूर्व भी बाबूलाल सैनी को सीआरपीएफ महानिदेशक द्वारा साहसी और उल्लेखनीय कार्यों के लिए दो बार सम्मानित किया जा चुका है। देश पर प्राण न्यौछावर करने वाले वीरो और शहीदों के जिले झुंझुनू का नाम सबसे अग्रणी पंक्ति में रहा है। आज भी जिले के हजारों जवान देश सेवा में सरहद पर अपने अदम्य साहस का परिचय दे रहे हैं। साहस और वीरता का परिचय देने पर ही उन्हें देश के बड़े सम्मान से नवाजा जाता है। जवान बाबूलाल सैनी ने बताया कि वह सीआरपीएफ के बल में शामिल होकर राष्ट्र की रक्षा के लिए सदैव तत्पर है तथा परम धैर्य के साथ अपनी ड्यूटी निभा रहे हैं। बाबूलाल सैनी के सम्मानित होने पर परिवार के लोगों व ग्रामीणों ने मिठाई बांटकर खुशी मनाई।

बाबूलाल के भाई ने अशोक सैनी ने बताया कि उसका भाई 2005 मे सीआरपीएफ मे भर्ती हुए थे, वर्तमान में छत्तीसगढ़ में हवलदार के पद पर कार्यरत है। हवलदार बाबूलाल सैनी बाई साल तक जम्मू कश्मीर में तैनात रहे थे। इस दौरान 17 अप्रैल 2020 को आतंकियों ने तलाशी के दौरान एक मकान पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। आतंकियों के साथ हुई मुठभेड़ में उन्होंने जवाबी फायरिंग करते हुए हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकी राहिल अहमद व आसिफ अहमद डार को ढेर कर दिया। जिस पर सीआरपीएफ के महानिदेशक कुलदीप सिंह ने अगस्त 2021 मे उन्हें सम्मानित किया था।

हार्दिक बधाई

अंतराष्ट्रीय तीरंदाज अमन सैनी ने फिर जीता गोल्ड 36 वे राष्ट्रीय खेलो में कंपाउंड पूरूष टीम ने मारी बाजी । इससे पहले भी कामनवेल्थ एवं अन्य अनेकों अंतराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अमन सैनी ने पदक जीत देश एवं समाज को गौरवान्वित किया है।

पिता से सीखा हुनर ससुराल में तराशा, मिलने लगी खास पहचान

सामोद. अपने पीहर में हलवाई का काम करने वाले पिता से विभिन्न प्रकार की मिठाइयां बनन सीख चुकी गरिमा सेनी जब शादी के बाद अपने सुसराल महारकला आई तो ससुराल में बागवानी व विभिन्न प्रकार के अचार बनने का एक छोटा सा व्यवसाय मिला। अपने पति कुंदन सैनी व ससुर राधेश्याम से अचार बनाने का काम सीखा। ससुराल के वर्षो पुराने अचार के छोटे से व्यवसाय में गरिमा भी अपना हाथ बंटाने लगी। धीरे-धीरे अचार के साथ आंवले का रस, मुरब्बा, कैंडी, आंवले की बर्फी सहित अन्य चीजें बनाने लगीं। बाजार में आंवले से बनी मिठाइयों की डिमांड बढ़ने लगी। जिससे छोटा सा अचार का व्यवसाय आसपास के क्षेत्र से निकल कर आज दूसरे जिलों तक फैल गया है। अब गरिमा के हाथों से बने आंचले के प्रोडक्ट्स की डिमांड कस्बें सहित आसपास के क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि जयपुर, सीकर, झंझनू सहित कई जिलों में भी रहती है।

कुकिंग में दिखाई क्रिएटिविटी : गरिमा ने बताया कि पिता के सिखाए हुए हुनर से पहचान बनी। शादी के बाद पति व ससुर के सहयोग से आंवले की मिठाई बनाने की ठानी। शुरू-शुरू में कई बार आंवले की बर्फी भी बनाई। लोगों का अच्छा रेस्पांस मिला और प्रोडक्ट की लोकप्रियता भी बढ़ने लगी। गरिमा ने अपने हुनर से आज गांव की एक दर्जन महिलाओं को भी ये सामान बनाना सिखाकर आत्मनिर्भर बनाने की राह खोली है।

जैतारण व जालोर से आया श्रद्धालुओं का दल

जैतारण विधायक अविनाश गहलोत ने किया कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन

राज्य स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह प्रचार सामग्री का विमोचन

नागौर। संत शिरोमणि श्री लिखमीदासजी महाराज स्मारक व देव मंदिर के जैतारण व जालोर के श्रद्धालुओं द्वारा अमरपुरा स्थित संत लिखमीदासजी महाराज के समाधि के दर्शन किए तथा आशीर्वाद लिया। साथ ही देव मंदिर के भी दर्शन किए। इस अवसर पर जैतारण व जालोर से आए श्रद्धालु, मातृशक्ति व पुरुषों ने सामूहिक आरती में भी सहभागिता दी।

कार्यक्रम में जैतारण पंचायत समिति के पूर्व प्रधान अमराराम भाटी, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष भेणाराम गहलोत, रास के सरपंच रामदेव महावर, मोकाला सरपंच धर्माराम सांखला, कात्यायनी सरपंच बाबूलाल जादम, माली सेवा सदन पुष्कर के अध्यक्ष ओम प्रकाश सांखला, तुलसाराम पंवार, बलूंदा के जगदीश पंवार, आनंदपुर कालू के राजूराम गहलोत, पुखराज भाटी, जसनगर के रामस्वरूप दग्दी सहित अनेक श्रद्धालु भी इस अवसर पर उपस्थित थे। इस अवसर पर जैतारण विधायक अविनाश गहलोत के मार्गदर्शन में माली सैनी समाज की राज्य स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह के निमित्त प्रचार सामग्री का विमोचन किया गया। एक से 5 दिसंबर तक होने वाले छठे पाटोत्सव में रविवार 4 दिसंबर को इस राज्य स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन होगा।

इस अवसर पर विधायक गहलोत ने संस्थान द्वारा निर्मित वेबसाइट का भी अवलोकन किया। वेबसाइट से संबंधित व कार्यालय कार्य करने वाले कार्यकर्ता बंधु टीकम चंद कच्छावा द्वारा इस वेबसाइट के संबंध में समस्त जानकारी विधायक तथा जैतारण व जालोर से आए समाज के पदाधिकारियों व समाज बंधुओं को दी गई। इस अवसर पर संस्थान के सचिव राधाकिशन तंवर, हरीश चंद्र देवड़ा, कोषाध्यक्ष कमल भाटी ने विधायक को 1 से 5 दिसंबर तक होने वाले उत्सव में पधारने का निमंत्रण दिया। इस अवसर पर विधायक ने पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि समाज के समस्त श्रेष्ठ कार्य भामाशाह, शिक्षाविदों व साधु संतों के समन्वय से श्रेष्ठ प्रकार से आयोजित होते हैं। उन्होंने समाज के सभी श्रेष्ठ कार्यों में सभी को सक्रिय रूप से सहभागी बनने का आह्वान किया।

इस अवसर पर नागौर पं स पूर्व उप प्रधान आईदान राम भाटी, पुखराजें दाँसिं सर्वोदय कश्वलेज, पाराम देवड़ा, संस्थान के महासचिव राधाकिशन तंवर, सह सचिव हरीश चंद्र देवड़ा, कोषाध्यक्ष कमल भाटी, कार्यकारणी सदस्य पारसमल परिहार, धर्मेंद्र सोलंकी, कुचेरा के अध्यक्ष घनश्याम भाटी, सैनिक क्षत्रिय माली माली संस्थान के अध्यक्ष रामस्वरूप पंवार, राम कुमार सोलंकी सचिव, नागौर शहर माली समाज अध्यक्ष मगनीराम सांखला, नथमल गहलोत, मुरली मनोहर सोलंकी, रामकुमार भाटी, मेड़ता रोड के संग्राम सिंह गहलोत, डॉ. शंकरलाल परिहार, रामनिवास सांखला

अमरपुरा सरपंच प्रतिनिधि मल्लाराम भोबिया, लोकेश टाक, पार्षद मनीष कच्छावा, भरत टाक, धर्मेंद्र पंवार, रूपचंद टाक, रामेश्वर सैनी, सुरेश टाक, रमेश सोलंकी, बजरंग सांखला सहित अनेक बंधु उपस्थित थे।

समाज उत्थान न्यास संस्था द्वारा मनाया गया प्रतिभा सम्मान समारोह

गुड़गांव। समाज उत्थान न्यास संस्था द्वारा वर्ष 2022 में 10 वीं एवं 12वीं कक्षा में 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र एवं छात्राओं को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिभा सम्मान समारोह के आयोजन सैनी धर्मशाला, जैकमपुरा गुरुग्राम में किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि गुरुग्राम की महापौर मधु अशोक आजाद और कनविन फाउंडेशन के संस्थापक डॉ डी पी गोयल एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे यशपाल सैनी द्वारा महात्मा जोतिबा फुले ओर सावित्री बाई फुले को पुष्प अर्पित कर ओर दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि रजनी दिलीप साहनी, रेखा दिनेश सैनी, ब्रह्म यादव, कपिल द्धलवलीत्रं सलूजा और सुमेर सिंह तंवर तथा विशिष्ट अतिथि नरेंदर दत्त और सरपंच हंसराज रहें।

इनके अतिरिक्त बतौर अतिथि बीरबल सैनी, बनवारी लाल सैनी, सुरेश गौड़, रमेश, सोनू सैनी, राजेश बोहरा, सुन्दर वर्मा, नितिन, पवन , सरजीत, अंकुश सैनी, श्री रोहित सैनी, प्रधान तेजिंदर सैनी, विजय सैनी एवं श्री सतीश माचीवाल रहे। कार्यक्रम में संस्था के Counsellor डॉक्टर संदीप सिंह, संदीप, अधिवक्ता मुकेश , राकेश सैनी एवं सीएस सुकेश ने भी उपस्थित रह कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

महापौर मधु आजाद ने कहा कि समाज उत्थान न्यास संस्था का यह अच्छा प्रयास है। इससे बच्चों में प्रतियोगिता की भावना बढ़ेगी। उन्होंने सभी बच्चों से कहा कि वे अच्छी शिक्षा लेकर समाज में परिवार का नाम रोशन करें। कैनविन फाउंडेशन के संस्थापक डॉ- डीपी गोयल ने कहा कि संस्थाओं को समाजहित में काम करना चाहिए। कैनविन फाउंडेशन जहां स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम कर रही है, वहीं शिक्षा के क्षेत्र में समाज उत्थान न्यास का काम सराहनीय है। उन्होंने कहा कि हम सभी को समाजसेवा में किसी न किसी रूप में जुड़ना चाहिए।

प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम में 10 वीं कक्षा के 83, 12 वीं कक्षा के 78 और स्पोर्ट्स के 4 बच्चों को उपतिथ अतिथियों द्वारा मोमेंटो और सर्टिफिकेट दे कर सम्मानित किया गया। साथ ही उनके उज्जवल भविष्य के लिए उनको शुभकामनाएं दी गयी। उपस्थित अतिथियों और बच्चों के अभिभावकों द्वारा इस कार्यक्रम ही सरहाना ही गयी तथा अनुरोध किया गया कि इस प्रकार के आयोजन समाज में होते रहने चाहिए जिससे बच्चों का मनोबल बढ़े और वे और अधिक मेहनत और लगन के साथ शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति करें और उनमें भी समाज हित के कार्यो के प्रति चेतना आये और आगे चल कर वे भी इस प्रकार के समाज हित के कार्य में उत्साह पूर्वक कार्य करें।

इसी श्रृंखला में संस्था के चेयरमैन नरेश, संरक्षक बुधराम, मुख्य सलाहकार सूबे सिंह, प्रधान महेन्दर सिंह , हितेश, गगनदीप, राजेश, राज कुमार बिसवाल विकास,खुशी राम, जय प्रकाश, और गौतम ने सभी अतिथियों, बच्चों, बच्चों के अभिभावकों और सभी सहयोगियों व सहयोगी टीम फरूखनगर, कारोला, जाटोला, हेलीमंडी, मौजबाद, जैतपुर, पटौदी, नारेड़ा, भोडाकला, सोहना, बादशपुर, सुल्तानपुर, झाड़सा, सैनी खेड़ा, सापका, गुडगांव गांव, अशोक विहार, का सहृदय धन्यवाद किया और आश्वासन दिया कि उनकी संस्था सामान उत्थान न्यास भविष्य में भी बच्चों का मनोबल बढ़ने के लिए इस प्रकार के आयोजन करती रहेगी।

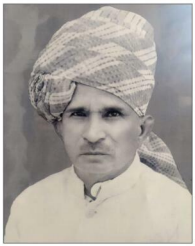

एशिया के सबसे बड़े लाइम स्टोन माइंस के मालिक भामाशाह कर्ण के नाम से प्रसिद्ध उद्योगपति

श्रीमान शिवसिंहजी कच्छवाहा

आपने पूरे मारवाड़ में सर्व समाज के सभी वर्गो को दशकों पूर्व करोड़ों का दान पुण्य करने के साथ स्कूलों हेतु भवनों का निर्माण करवाया

हर अमावस्या को आप द्वारा हजारों लोगो को भोजन और धोती कपड़े निशुल्क दिए जाते थे

नगर सेठ एवम पिताजी की नाम से आज भी आपको जाना जाता है

22 अक्टूबर, 1983 को यकायक एक तारा आसमान से टूटा और लोगों पर वज्रपात कर गया। जोधपुर में राजस्थान का एक दानवीर इस संसार से महाप्रयाण कर गया। हजारों लोग अश्रुपात करने लगे और पिताजी आज हमें अकेला छोड़ गये। कहते हुए फूट-फूट कर रोने लगे। वह महान् व्यक्ति थे श्री शिवजीसिंहजी कच्छवाहा, जिसने, जहाँ भी, उनके स्वर्गवास का समाचार सुना, वह हतप्रभ रह गया।

श्री शिवजीसिंहजी कच्छवाहा का जन्म जेठ माह की गुरुपूर्णिमा, विक्रम संवत् 1959 (21 जून 1902) को नागौरी बेरा, मण्डोर में श्री अमरसिंहजी कच्छवाहा के घर में। उनके जन्म पर उनके माता-पिता ने बहुत ही खुशियाँ मनाई और मिठाइयाँ बाँटी। समाज के सभी वर्गों ने तब भगवान् से प्रार्थना की कि यह बालक दीर्घायु हो और माता-पिता की कीर्ति को बढ़ावे। लोगों के आशीर्वाद खूब फले-फूले और उन्होंने न केवल 81 वर्ष की आयु पाई बल्कि परिवार की, अपने नगर तथा समाज में यश-पताका फहराई।

बाल्यकाल में श्री सुमेर विद्यालय में शिक्षा प्राप्त कर उन्होंने इस कहावत को सही सिद्ध किया कि 'होनहार विरवान के होत चीकने पात।' बाल्यकाल से ही वह कुशाग्र बुद्धि तथा उद्यमी थे। विद्यालय से शिक्षा प्राप्त करने के बाद वह 15 वर्ष की अल्प आयु में जीविकोपार्जन हेतु सोजत चले गये और वहाँ चूने का व्यवसाय प्रारम्भ किया। उस समय इस व्यवसाय के चलाने में उन्हें काफी कठिनाइयाँ आई लेकिन उन्होंने कठिनाइयों को अपनी कार्य-कुशलता से दूर कर दिया। इसी कारण उनके द्वारा प्रारम्भ किया हुआ वह छोटा-सा उद्योग आज इतना बढ़ गया है कि वह 'सोजत लाइम कम्पनी' के नाम से न केवल राजस्थान में बल्कि सारे भारत में प्रसिद्ध हो गया है। गुजरात, महाराष्ट्र, आसाम, पंजाब आदि प्रान्तों में इस कम्पनी के माल की मांग दिनों-दिन बढ़ती ही जा रही है। इस कारण इस उद्योग में करोड़ों रुपयों की पूंजी लगी हुई है तथा हजारो श्रमिक इस उद्योग के कारण अपनी जीविका चला रहे हैं। वहाँ का हाईड्रेटेड लाइम उद्योगों के लिये अत्यन्त उपयोगी एवं उच्च स्तर का माना जाता है। यह उद्योग न केवल सोजत रोड़, बल्कि सोजत नगर, मंडला, अटपड़ा आदि स्थानों पर भी फैल गया है शिवजीसिंहजी की यह विशेषता थी कि वे इन विस्तृत क्षेत्रों में लगे उद्योगों व इकाइयों को प्रतिदिन सम्भालते थे। अपने स्वर्गवास के पूर्व के दिन तक वे सभी श्रमिकों व कर्मचारियों से मिल कर गये थे और तब तक किसी ने यह सोचा भी नहीं था कि वे हमसे बिछुड़ जायेंगे। वास्तव में उनका बिछुड़ना सब पर एक वज्रपात है। सभी वर्ग के तथा सभी आयु के लोग उन्हें ''पिताजी'' के नाम से सम्बोधित करते थे। जिसने जब और जहाँ पर उनके स्वर्गवास का समाचार सुना, वह रो पड़ा और इसी कारण यह समाचार सुनते ही सोजत रोड़ तथा सोजत नगर की सभी दुकानें व संस्थाएं बंद कर दी गयीं और सभी ने शोकसभाएं कर उनके प्रति श्रद्धांजलियाँ अर्पित की। हजारों लोग सोजत रोड में इकट्ठे हो गये। उन्हें तो यह दुःख हुआ कि वे उनका अन्तिम दर्शन नहीं कर सके क्योंकि उनका अन्तिम संस्कार जोधपुर में हुआ था।

श्री शिवजीसिंहजी में विलक्षण व्यावसायिक प्रतिभा थी और इसी कारण उन्होंने पांच मजदूरों की सहायता से काम करना प्रारम्भ कर वे अपने उद्योग को ऐसा चलाने लगे कि उनके महाप्रयाण के समय 5,000 मजदूर उसमें काम करने लगे। श्रमिकों के प्रति उनका व्यवहार बड़ा स्नेहपूर्ण था और इसी का परिणाम

था कि आपकी इकाइयों में कभी श्रमिक अशांति नहीं हुई। हड़तालों की बात तो काफी दूर थी। वे श्रमिकों को अपने बालक समझते थे और उनकी उन्नति के लिये बराबर सोचते रहते थे। इसी कारण श्रमिकों के परिवारों तक जब उनके स्वर्गवास का समाचार पहुँचा तो वे परिवार भी फूट-फूट कर रोने लगे। यह उनके सद्भाव तथा अगाध प्रेम का ही परिचायक है

श्री शिवजीसिंहजी अपनी दानवीरता के लिये सर्वत्र प्रसिद्ध थे। अनेक विद्यालयों को आर्थिक सहायता देने तथा गरीबों की पुत्रियों के विवाह हेतु सहायता देते रहने के कारण उनको यह लोग सहायता हेतु घेरे ही रहते थे तथा उन्हें "सेठ राजा कर्ण" ही कहते थे। इनकी धर्मपत्नी रामकुंवरीजी भी इस दानवीरता में बराबर हाथ बटाती रहती थी। वे सोजत रोड़ की पंचायत तथा न्याय पंचायत के कई वर्षों तक अध्यक्ष रहे। उनकी ईमानदारी तथा निष्पक्षता की सदा सभी वर्गों ने प्रशंसा की। यों वह सोजत रोड़ कृषि मण्डी के भी अध्यक्ष रहे और उनके सद्प्रयत्नों से कृषि उत्पादकों के व्यापार को काफी बढ़ावा मिला। पाली जिले के उद्योग संघ के भी वे अध्यक्ष रहे थे। जोधपुर के सुप्रसिद्ध सिनेमा आनन्द थियेटर के निदेशक मण्डल के भी वह अध्यक्ष थे। जोधपुर नगर की अनेक संस्थाओं व विभिन्न स्थानों की संस्थाओं को समय-समय पर वे दान देते ही रहते थे। उनकी ओर से यह छूट थी कि शिक्षण संस्थाओं तथा धार्मिक भवनों के निर्माण के लिये कोई भी चूना मुफ्त में ले जा सकता है। मण्डोर का किसान कन्या विद्यालय एवं आसपास की शिक्षण संस्थाएँ, गौ-शाला प्याऊ आदि तथा श्री सुमेर उच्च माध्यमिक विद्यालय और श्री उम्मेद कन्या माध्यमिक विद्यालय को समय-समय पर हजारों रुपये का दान देकर आपने अपनी दानशीलता का परिचय दिया। आप श्री सुमेर उच्च माध्यमिक विद्यालय के निदेशक मण्डल के अध्यक्ष भी रह चुके हैं और उस समय इस विद्यालय ने काफी तरक्की की। स्त्री-शिक्षा के क्षेत्र में आपका योगदान चिरस्मरणीय रहेगा। आपने सैकड़ों बालिकाओं को शिक्षा के लिये प्रोत्साहित किया और अपनी पुत्रियों को भी अच्छी शिक्षा दी। इसी कारण उनकी पुत्रियों भी पंचायत समिति आदि की सदस्याएँ बन सकीं। आपने अपने पुत्रों को भी अच्छी शिक्षा दी और उन्हीं के पदचिन्हों पर चलकर वे अच्छे उद्योगपति बन सके हैं। उनके दोनों पुत्र श्री प्रकाशसिंह तथा श्री राजेन्द्रसिंह, न केवल व्यवहार कुशल व मधुर भाषी हैं बल्कि उच्च स्तर के उद्योगपति एवं राजनीतिज्ञ भी हैं। उनकी लोकप्रियता इसी से सिद्ध होती है कि उनके ज्येष्ठ पुत्र श्री प्रकाशसिंहजी सोजत रोड़ पंचायत के निर्विरोध सरपंच रहे तथा कनिष्ठ पुत्र श्री राजेन्द्रसिंहजी अटपड़ा पंचायत के निर्विरोध सरपंच रहे। पिछले चुनावों में काफी लोगों ने श्री प्रकाशसिंहजी को विधानसभा का उम्मीदवार बनाना चाहा लेकिन उन्होंने अपने उद्योग के हित में यह उचित नहीं समझा। वह एक साधारण सैनिक की भाँति जनता की सेवा में लगे रहना चाहते हैं। वास्तव में वह एक योग्य पिता के योग्य पुत्र हैं। स्वर्गीय श्री शिवजीसिंहजी की धर्मपत्नी श्रीमती रामकुंवरजी (सुपुत्री स्वतंत्रता सेनानी ठेकेदार मोतीसिंहजी सांखला निवासी विजय चौक जोधपुर) भी अपनी दानशीलता, सद्व्यवहार एवं मृदुभाषिता के लिए सर्वत्र प्रसिद्ध थी। पति-पत्नी को सभी शिव-पार्वती का जोड़ा कहते थे। उनका भी स्वर्गवास हो गया है। वे सही अर्थों में परिवार पालक थी। आर्थिक रूप से परेशान लोगों को सहायता देने में दोनों कभी चूक नहीं करते थे।

श्री शिवजीसिंहजी के जीवन को देखकर भगवान् महावीर के वे शब्द याद आते हैं कि 'मनुष्य जन्म से नहीं कर्म से महान होता है।' उन्होंने एक कर्मयोगी, निष्ठावान् विभूति के रूप में अपने जीवन में सद्कार्य किये जो आने वाली पीढ़ी को निरन्तर प्रेरणा देते रहेंगे।

उनकी 39वीं पुण्य तिथि पर हम सभी दिव्य आत्मा का सादर श्रद्धांजलि अर्पित करते है।

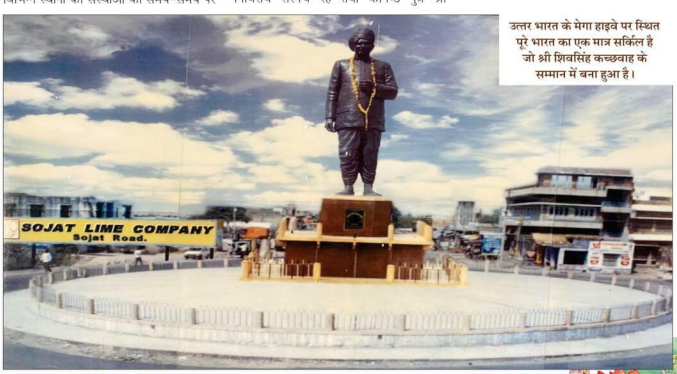

उत्तर भारत के मेगा हाइवे पर स्थित पूरे भारत का एक मात्र सर्किल है जो श्री शिवसिंह कच्छवाह के सम्मान में बना हुआ है।

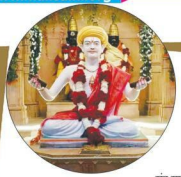

हमारे समाज के महान संत

श्री सवता माली

संत सावता माली (सैनी) सावता सैनी 12वीं सदी के हिंदू संत थे। वह नामदेव के समकालीन और विठोबा के भक्त थे। वित्तीय कारणों से, उनके दादा, देवू सैनी, सोलापुर जिले के मोदनिंब के पास अरनगांव/ अरन-बेहंडी चले गए। देवू सैनी के दो बेटे थे, जिनका नाम परसु और डोंगरे था। परसु ने नंगीताबाई से शादी की वे गरीबी में रहते थे, लेकिन समर्पित भागवत अनुयायी बने रहे। डोंगरे की कम उम्र में ही मौत हो गई थी। 1250 में, परसु और नंगिताबाई के एक पुत्र हुआ, जिसका नाम उन्होंने सवता माली (सैनी) रखा।

संत सावता सैनी : एक धार्मिक परिवार में पले-बढ़े, सावत ने पास के एक गाँव जनाबाई के एक बहुत ही धार्मिक और समर्पित हिंदू से शादी की। अरन गांव में अपने खेतों में काम करते हुए, सावत सैनी विठोबा की महिमा के बारे में गाते थे। उनका मानना था कि विठोबा उनके पास आए थे क्योंकि सावत सैनी विठोबा के मंदिर की तीर्थ यात्रा करने में असमर्थ थे। उन्होंने अपनी पत्नी को एक बार नाराज कर दिया जब उन्होंने अपने ससुराल वालों को नजरअंदाज कर दिया क्योंकि वे अपनी भक्ति में बहुत व्यस्त थे, लेकिन जनाबाई का क्रोध सवता के दयालु और शांतिपूर्ण शब्दों के कारण तेजी से शांत हो गया। उन्हें समर्पित एक मंदिर अरन में मौजूद है

कर्तवयनिष्ठ होकर कर्तव्य का पालन करना ही ऐसी प्रवृत्ति को सच्ची श्रद्धा सिखाने की शिक्षा देने वाले संत श्री सावत महाराज हैं। वे वारकरी समुदाय में एक महान और वरिष्ठ संत के रूप में लोकप्रिय हैं। श्री विट्ठल उनके सर्वोच्च भगवान थे। वे कभी पंढरपुर नहीं गए। दरअसल पांडुरंग उनसे मिलने आए थे। वे कर्मयोगी संत थे। यह उनका 'कर्म ईशु भजवा' के प्रति रवैया था। उन्होंने आध्यात्मिकता और भक्ति, आत्म-साक्षात्कार और सार्वजनिक संग्रह, कर्तव्य और सदाचार का खामियाजा उठाया। उन्होंने धर्म में अंध विश्वास के सामने किसी को नहीं रखा है। आस्था, स्वाभिमान, पाखंड और बाहरी पतन। इसे हमेशा सुखाएं। उन्होंने परम पवित्रता, दर्शन, पुण्य, निर्भयता, नैतिकता, सहनशीलता आदि गुणों की प्रशंसा की। यदि ईश्वर को प्रसन्न करने की आवश्यकता है, तो योगरिया-जप, तीर्थव्रत, व्रतकल्या की बिल्कुल आवश्यकता नहीं है। केवल ईश्वर को हृदय पर ध्यान करने की आवश्यकता है।

उन्होंने नामांकन पर जोर दिया। इसे बंद करने की जरूरत नहीं है। भगवान उसे बहुत स्नेह के साथ आशीर्वाद देते हैं। सवता महाराज को अपने खेत में भगवान विट्ठल के दर्शन हुए। उनकी सारी विसंगतियां काशीबा गुरव ने लिखी हैं। यह उनका जीवन था कि नि:स्वार्थ भाव से वे भगवान के भक्त बन गए। वे मुक्ति नहीं चाहते थे। उनका व्रत था 'वैकुंठि और करतानी के देवता'।

उनके अभंग नवरस में रस में वत्सल, करुण, शांतन, दस्य-भक्ति पाई जाती है। सातोब का अभंगरचना शुभ है।

उनका गांव 'अरन-भांड' है। देवी माली सवत महाराज के पिता के दादा हैं। वह पंढरपुर के योद्धा थे। उनके दो बच्चे थे। पुरसोबा और डोंगरोबा पूर्णूबा एक धार्मिक मोड़ था। वे कृषि कार्य करते समय भजन करते थे। पंधारी की करी उसी पंचक्राशी में उनका विवाह सद्दू सैनी की पुत्री से भी हुआ था। दंपति के बच्चे का जन्म हुआ था। इस परिवार का मूल गांव मिराज का औस है। देवौ सैनी अरन गांव में बस गए। गांव दो मील के बहुत करीब है।

सवता माली नामदेव के नाम पर महत्वपूर्ण मराठी संत सवत माली के नाम से पता चलता है कि वह एक व्यवसायी हैं 'सव' का अर्थ है शुद्ध चरित्र सौवत एक महत्वाकांक्षी शब्द है, जिसका अर्थ है कि यह सभ्यता, आत्म केंद्रितता, सवता है। महाराज बचपन से ही विट्ठल भक्ति, फूल, फल, सब्जी आदि में पले-बढ़े हैं। उनका विवाह एक पारंपरिक व्यवसाय था, उन्होंने एक अभंग में कहा, 'हमारी जाति खेती कर रही है।' महाराज ने भांड गांव के भंवसी रूपमाली निवासी जनाई नाम की लड़की से शादी की और एक अच्छी दुनिया मिली, उनके दो बेटे थे, विट्ठल और नागताई। सवता माली में 25 अभंग कक्षाएं उपलब्ध हैं। नवसा के नेवी सोनार की तरह ये भी अपना धंधा बोलते हैं। प्रचार, शब्दों का प्रयोग अभंग आदि में किया जाता है। तत्कालीन मराठी अभंग की भाषा में नए शब्द, नई चीजें जोड़ी गई हैं, और सवता माली के अभंग काशीब गुरव का संकलन रखा गया है

जय हो संत सावता (माली) सैनी

फूल माली समाज प्रतिभा सम्मान समारोह में

प्रतिभाओं और जनप्रतिनिधियों का हुआ सम्मान

तलेन। फूलमाली नवयुवक संघ जिला राजगढ़ एवं चाचौड़ा क्षेत्र द्वगुनाऋ का 11 वा प्रतिभा सम्मान समारोह जिले के तलेन नगर स्थित वात्रे मैरिज गार्डन में रविवार 9 अक्टूबर को समारोह पूर्वक संपन्न हुआ जिसमें राजगढ़ जिले के साथ में गुना जिले की चाचौड़ा तहसील के प्रतिभावान छात्र छात्राओं और सेवानिवृत्त कर्मचारियों समाजसेवियों का मुख्य अतिथि द्वारा स्वागत सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में तहसीलदार सौरभ शर्मा,नपअध्यक्ष नारायणसिंह यादव, थाना प्रभारी उमाशंकर मुकाती , संरक्षक एवं वरिष्ठ समाजसेवी रोडेराम पुष्पद, फूलमाली सोशल ग्रुप प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र पुष्पद, सूरज प्रसाद वात्रे पूर्व सीएमओ तलेन, सारंगपुर पूर्व अध्यक्ष ओम पुष्पद, संतोष जी पुष्पद, पार्षद राकेश पुष्पद, सुरेश सुमन जिलाध्यक्ष ऑल इंडिया माली सैनी सभा राजगढ़, जगदीश पुष्पद राजगढ़ आदि अतिथि के रुप में उपस्थित रहे। जिला प्रभारी नरसिंह पुष्पद ने बताया कि समारोह में 175 छात्र-छात्राओं का सम्मान फील्ड प्रमाण पत्र देकर अतिथियों द्वारा किया गया आयोजन में पचोर सारंगपुर नरसिंहगढ़ ब्यावरा जीरापुर खिलचीपुर खुजनेर मलावर लखनवास बीनागंज चाचौड़ा सहित पूरे जिले के समाज बंधु एवं महिलाएं युवा साथी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

दीपक पुष्पद प्रदेश महामंत्री फूलमाली सोशल ग्रुप, अजय मालाकार जीरापुर, विनोद पुष्पद तलेनी, जगदीश सुमन मलावर, राधेश्याम पुष्पद लखनवास, राधेश्याम पुष्पद बखेड़ा, कमल पुष्पद, शिव पुष्पद रामपुरिया, मनोज पुष्पद पत्रकार, महेश मालाकार खिलचीपुर, पार्षद श्रीमती प्रिया मुकेश पुष्पद, जीरापुर महेश पुष्पद, कुरावर बापू सुमन, बद्रीलाल पुष्पद, बनवारी पुष्पद, ललित वर्मा ब्यावरा आदि बड़ी संख्या में महिला पुरुष युवा समाज बंधु उपस्थित थे। कार्यक्रम का सफल संचालन रवि पुष्पद सर सारंगपुर एवं सुरेश सुमन बीनागंज ने किया अंत में पूर्व पार्षद श्याम सुंदर वात्रे सभी का आभार व्यक्त किया।

संत लिखमोजी की अखण्ड ज्योत ले पैदल गुजरात से अमरपुरा पहुंचे भक्त

डीसा। गुजरात से संत शिरोमणि लिखमीदास महाराज की अखंड ज्योत लेकर श्रद्धालुओं का दल अमरपुरा नागौर पहुंचा। संत शिरोमणि के समाधि स्थल व देव मंदिर अखंड ज्योत लेकर पहुंचे भक्तों का समाज व संस्थान के पदाधिकारियों ने स्वागत किया। अमरपुरा संस्थान के कार्यकारिणी सदस्य धर्मेंद्र सोलंकी ने बताया कि गुजरात का संघ हीरालाल सोलंकी के नेतृत्व में अमरपुरा के लिए समाज कल्याण का संकल्प लेकर 1 अक्टूबर को डिसा गुजरात से रवाना होकर संत के मंदिर में पहुंचा। संघ की ओर से अमरपुरा सामूहिक आरती में सहभागिता देकर अखंड ज्योत मिलाई गई। इसमें हीरा भाई प्रताप सोलंकी, चुन्नीलाल, विकास सोलंकी, शिवम भाई, हीरालाल सोलंकी, अश्विनी भाई चुन्नीलाल, थानाजी, गणेश भाई सोलंकी, उत्तम डामरा भाई परमार, योगेश भाई किशन लाल परिहार तथा तेजाजी भाई सोमा सोलंकी शामिल रहें। इस अवसर पर लूणारम सोलंकी के नेतृत्व में खींवसर के माली समाज के पदाधिकारी मुकेश तंवर, मोहन सिंह भाटी, पप्पू राम सोलंकी, मंगा राम मेघवाल, नारायण पंवार, पापा लाल ने दुपट्टा पहनाकर श्रद्धालुओं का स्वागत किया। इससे पूर्व नागौर में भी सैनिक क्षत्रिय माली समाज तीन गांव नागौर के सचिव रामकुमार सोलंकी, कालूराम सोलंकी, देवकिशन, नारायण मिस्त्री, पन्नालाल माली ने पैदल यात्री बंधुओं का अभिनंदन किया।

इससे पहले यात्रा का अनेक जगहों पर सम्मान और स्वागत भी किया गया। जानकारी के अनुसार इस अवसर पर संस्थान की ओर से अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे। इस अवसर पर पदाधिकारियों की ओर से यात्रियों की कुशल क्षेम पूछी गई और यात्रियों के अनुसार व्यवस्थाएं की गई। इस अवसर पर अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे। लोगों ने जयकारे भी लगाए।

बहन ने कीटनाशक पिया, मां को ब्लड कैंसर ने छीना, अब सिर्फ ऑर्गेनिक खेती

सीए फाइनल तक पढ़ा, बोला सब्जी बेचूंगा – वेदप्रकाश सांखला

आज बात कॉमर्स व इकोनॉमिक्स के बेहतर स्टूडेंट रहे किसान वेद प्रकाश सांखला की... 12 बीघा के खेत, संयुक्त परिवार का सहारा

मेरी लाडली छोटी बहन ने 2017 गलती से कीटनाशक दवा पी ली थी... 6 दिन तक वो आईसीयू में रही... मुश्किल से जान बची...इसके बाद मैंने 2019 में मां को खो दिया.. उन्हें ब्लड कैंसर था।

डॉक्टर ने कहा कि केमिकल वाला भोजन करने से यह कैंसर होता है... इन दो घटनाओं ने मेरी सोच बदल दी... अब मैं ऑर्गेनिक वैजिटेबल का ही प्रोडक्शन करता हूं और 50 किसानों के साथ मिलकर जोधपुर के लोगों को ऑर्गेनिक फूड चेन से जोड़ रहा हूं।

यह कहना है जोधपुर के 32 साल के किसान वेदप्रकाश सोलंकी का। CPT और IPCC क्लीयर कर CA के फाइनल एग्जाम तक पहुंचने वाले वेदप्रकाश फर्स्ट डिविजन ग्रेजुएट रहे हैं। JNVU में पढ़ाई की। चार्टर्ड अकाउंटेंट बनना चाहते थे, लेकिन खेती-किसानी पुश्तैनी काम था, उसी से जुड़ गए और ऑर्गेनिक फार्मिंग को अपने इलाके में आंदोलन बना दिया।

जोधपुर शहर से 30 किलोमीटर दूर वेदप्रकाश का गांव है तिंवरी कस्बे का बिजवाड़िया। शहरी भाग-दौड़ से दूर गांव में उनके पिता हरदेव राम सांखला 12 बीघा के खेतों में खेती-बाड़ी करते हैं। 4 बेटों में से 2 खेती से जुड़े हैं। एक प्राइवेट काम करता है और सबसे छोटा पढ़ाई कर रहा है। बेटे, 3 बहुएं और बच्चे मिलाकर 20 लोगों का परिवार है। सभी एक ही घर में रहते हैं।

आम किसानों की तरह यह परिवार भी फसल उपजाकर, सब्जी की बाड़ी लगाकर गुजारा कर रहा था कि 2017 में जुलाई की गर्मी में एक घटना घटी।

जब खुशी का माहौल गमगीन हो गया

वेदप्रकाश ने बताया कि चाचा की बिटिया की शादी थी, खुशी का माहौल था। शादी में लाडली छोटी बहन ससुराल से आई हुई थी। बारिश का सीजन था, बीज बोने का वक्त था इसलिए घर में कीटनाशक दवा भी रखी थी। छोटी बहन ने गलती से कीटनाशक दवा पी ली। खुशी का माहौल चिंता और दुख में बदल गया। बहन को महात्मा गांधी अस्पताल ले गए। वह दो दिन तक आईसीयू में रही। दो महीने तक उसका इलाज चला तब तक हमारी जान हलक में अटकी रही। तब पहली बार विचार आया कि हम खेतों में यह खतरनाक केमिकल और दवा क्यों छिड़कते हैं? सिर्फ प्रोडक्शन बढ़ाने के लिए लोगों को सब्जियों में जहर खिला रहे हैं।

कीटनाशक दवा और केमिकल से कर ली तौबा

वेदप्रकाश ने ठान लिया कि वह अपने खेतों में कीटनाशक दवा और केमिकल का इस्तेमाल नहीं करेगा। उसने अपने पिता हरदेव और बड़े भाई पारस राम को कन्वेंस किया। वे नहीं माने। काफी जद्दोजहद के बाद पिता तैयार हुए और उसे खेत में जैविक खेती करने के लिए फ्री हैंड कर दिया। 2017 में दीवाली के बाद नवंबर में सब्जी बुआई का समय आया तो उसने खेत में जैविक खाद का इस्तेमाल कर मूली, गाजर, मेथी और पालक की बुवाई की। दिसंबर 2017 से जनवरी 2018 के बीच फसल तैयार हो गई।

लोगों को ऑर्गेनिक का महत्व समझाया

वेदप्रकाश ने बताया कि सबसे बड़ी चुनौती ऑर्गेनिक वैजिटेबल को बेचने में सामने आई। ऑर्गेनिक सब्जियों में फिनिशिंग नहीं होती। ये चमकदार और समान आकार की नहीं होतीं। ऐसे में लोगों की इनकी गुणवत्ता के बारे में समझाना मुश्किल होता है। हेल्थ की इंपोर्टेंस समझने वाले लोग ही इसका महत्व समझ सकते हैं। उन लोगों तक पहुंच बनाना चुनौती थी।

ऐसे में वेदप्रकाश शाम को सब्जियों के बंडल तैयार करते और सुबह 6 बजे बाइक से जोधपुर के लिए रवाना हो जाते हैं। सुबह 7 बजे वे जोधपुर पहुंचते और जोधपुर के अशोक उद्यान और नेहरू उद्यान के बाहर सब्जियां लेकर बैठ जाते हैं। सप्ताह के 3 दिन अशोक उद्यान और 3 दिन नेहरू उद्यान के बाहर एक निश्चित जगह वेदप्रकाश बैठने लगे। उन्होंने बाइक पर ही लिखवा लिया था, ऑर्गेनिक सब्जियां।

CA फाइनल तक पढ़ाई की, सब्जी बेचने की ठानी

वेदप्रकाश ने बताया- मैं 1989 में पैदा हुआ। उस दौर में बैल से खेत जोते जाते थे। बारिश पर खेती निर्भर करती थी। 10वीं तक गांव

से 4 किलोमीटर दूर स्कूल में पढ़ाई की। पैदल स्कूल जाता था। 2006 में दसवीं पास की तो रातानाड़ा में 11वीं में कॉमर्स सब्जेक्ट लिया। 2008 में 12वीं पास कर जोधपुर के विश्वविद्यालय **JNVU** में बीकॉम स्टूडेंट के तौर पर एडमिशन लिया।

सोचा था सीए बनूंगा। इसके लिए जोधपुर रहकर कोचिंग की। रोजाना 30 किलोमीटर बाइक पर जाता था। एंट्रेंस एग्जाम **CPT** और **IPCC** एग्जाम पास किए, 2016 में **CA** फाइनल एग्जाम दिया, लेकिन क्लीयर नहीं हुआ। तब तय किया कि मैं सब्जी बेचूंगा। पिता ने कहा- इतनी पढ़ाई करके सब्जी बेचेगा? अच्छा लगेगा? लोग क्या कहेंगे? मैंने तय कर लिया था। पिता भी मान गए। अब देखिये, सालाना 60 लाख का टर्नओवर है। पिता संतुष्ट हैं कि मैंने सही फैसला लिया था।

मॉर्निंग वॉक करने वाले हुए अट्रैक्ट

रोजाना ऑर्गेनिक सब्जी लेकर गांव से जोधपुर जाने की लगन रंग लाई। मॉर्निंग वॉक पर आने वाले अच्छे प्रोफेशनल, उच्च शिक्षित और पेशेवर लोग उनकी सब्जियां खरीदने लगे। इसके बाद एक दिन अशोक उद्यान के बाहर काजरी संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. अरुण शर्मा पास आए। कहा कि लोग ऑर्गेनिक भोजन का महत्व समझ रहे हैं। ऐसे में जरूरी है कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को ऑर्गेनिक खेती और ऑर्गेनिक भोजन से जोड़ा जाए।

ऑर्गेनिक सब्जियों का भाव

सब्जी	भाव/किलो
लौकी	40
भिंडी	80
तुरई	100
करेला	80
टिंडा	80
ग्वार देसी	120
ग्वार नीलम	120
प्याज	30
काचरा	30
पत्तेदार प्याज	15/गड्डी
फूल गोभी	100

डॉ. अरुण शर्मा ने वेदप्रकाश को उन किसानों की लिस्ट दी, जो ऑर्गेनिक खेती कर रहे थे। खरीदार नहीं मिलने के कारण वे किसान अपनी सब्जियां मंडी में ही बेच रहे थे। वेदप्रकाश ने ऑर्गेनिक खेती करने वाले किसानों ने कॉन्टेक्ट किया तो शुरू में 7 किसानों से वेदप्रकाश ने ऑर्गेनिक फल सब्जियां खरीदनी शुरू की। अब 50 किसान उनसे जुड़े हैं। ये सभी ऑर्गेनिक खेती कर रहे हैं।

50 किसानों को जोड़ा, बाजार से ज्यादा मुनाफा दिया

वेदप्रकाश ने किसानों से डील की। उन्हें ऑर्गेनिक सब्जियों का बाजार भाव से 20 प्रतिशत तक अधिक दाम दिया। इस तरह एक-एक किसान से वेदप्रकाश मिले और माल खरीदने की डील कर ली। सारा माल करीब 250 किलो तक बैठने लगा। वह शाम को सब्जियां जुटाता और पैकेट तैयार करता। फिर बाइक से उन्हें गांव से जोधपुर लेकर जाता। बाइक पर अधिक सब्जी न ढो पाने के कारण वेदप्रकाश ने जोधपुर से गांव तक 3-3 चक्कर लगाए। लोग उसे जानने लगे। उसकी सब्जियों का इंतजार करने लगे।

मां की ब्लड कैंसर से मौत हुई तो ऑर्गेनिक को बनाया मिशन

वेदप्रकाश जी-तोड़ मेहनत कर रहे थे कि जून 2019 में एक दिन अचानक मां गहरी देवी की तबीयत बिगड़ गई। उन्हें महात्मा गांधी अस्पताल ले जाया गया। जहां जांच कराने के बाद डॉक्टर ने उन्हें ब्लड कैंसर बताया। अगस्त 2019 में मां का निधन हो गया। डॉक्टर मनोज लाखोटिया ने बताया कि ब्लड कैंसर की बड़ी वजह शरीर में लगातार केमिकल युक्त आहार का जाना और दवाओं वाली सब्जियों का इस्तेमाल करना है। वेदप्रकाश को इससे सदमा लगा। उन्होंने तय किया कि वे ऑर्गेनिक खेती को खुद तक सीमित नहीं रखेंगे, बल्कि लोगों को इसके लिए जागरूक भी करेंगे।

कोरोना काल में नई तकनीक से अपडेट

- मार्च 2020 में लगा लॉकडाउन
- सेल टैक्स ऑफिसर ने बनवाया व्हीकल पास
- लॉकडाउन में सब्जी सप्लाई की दिलाई परमिशन
- ग्राहकों को वॉट्सऐप पर ग्रुप में जोड़ा
- डिमांड पर सब्जियों के पैकेज बनाए
- ग्राहक के घर तक पहुंचाई ऑर्गेनिक सब्जी
- 50 किसानों को भी सोशल मीडिया पर जोड़ा
- दिसंबर 2020 में शुरू किया ऑर्गेनिक स्टोर
- अब सालाना 60 लाख तक का टर्नओवर

वेदप्रकाश के दिल-दिमाग में यह बात बैठ गई कि ऑर्गेनिक खेती को ज्यादा से ज्यादा बढ़ाना है और लोगों को ऑर्गेनिक फूड से जोड़ना है। दिसंबर 2019 में उन्होंने एक रिश्तेदार से 30 हजार रुपए में सेकेंड हैंड मारुति 800 कार खरीदी। रोजाना शाम 7 बजे तक वे किसानों से सब्जियों का कलेक्शन करते। फिर सुबह 6 बजे सब्जियां लेकर कार से जोधपुर के लिए निकल जाते। वे ग्राहकों को ऑर्गेनिक फल सब्जियों के फायदे गिनाते।

लॉकडाउन में बिजनेस को अपडेट किया

मार्च 2020 में लॉकडाउन लगा तो सब्जियों की सप्लाई भी रुक गई। इस दौरान वेदप्रकाश के एक ग्राहक सेल टैक्स ऑफिसर ने फोन कर कहा कि ऑर्गेनिक सब्जियों की सप्लाई रुकनी नहीं चाहिए। ऑर्गेनिक सब्जियां समय की डिमांड हैं। मैं आपको परमिशन देता हूं। आप कार पर ट्रैवलिंग पास चिपका कर सब्जियां सप्लाई कर सकते हैं। इसके बाद वेदप्रकाश को पास मिल गया। लॉकडाउन में उन्होंने ग्राहकों का वॉट्सऐप ग्रुप क्रिएट किया। ग्राहक वॉट्सऐप पर सब्जी की डिमांड करने लगे। वेदप्रकाश घर में सब्जियों के पैकेट तैयार करते, एड्रेस की स्लिप लगाते और होम डिलीवरी करते। यह मुहिम लगातार बढ़ती गई।

पाँच इलाके में शुरू किया ऑर्गेनिक स्टोर

5 दिसंबर 2020 को वेदप्रकाश ने जोधपुर के सरदारपुरा इलाके में राम ऑर्गेनिक के नाम से वैजिटेबल स्टोर की शुरुआत की। स्टोर को 2 साल होने को है। ऑर्गेनिक वैजिटेबल के क्षेत्र में वेदप्रकाश अब पहचान बना चुके हैं। गर्मियों में वे हर महीने 6 लाख रुपए तक की सेल करते हैं। सर्दियों में यह सेल 10 लाख रुपए तक पहुंच जाती है। उनके स्टोर में सिर्फ सीजनल सब्जियां ही मिलती हैं। वेदप्रकाश कहते हैं कि बेमौसम की सब्जियां शरीर के लिए नुकसानदेह होती हैं।

वेदप्रकाश ने ऑर्गेनिक सब्जियां बेचकर पहली बार 500 रुपए कमाए थे। अब ऑर्गेनिक फल सब्जियों का टर्नओवर 60 लाख रुपए प्रति वर्ष से ज्यादा है। उनका टारगेट इसे 1 करोड़ तक पहुंचाना है। इसमें उनका निजी फायदा कम है। क्योंकि यह फायदा उनसे जुड़े 50 किसानों में साझा हो रहा है। वेदप्रकाश कहते हैं कि यह बढ़ता आंकड़ा दिखाता है कि लोग ऑर्गेनिक फल सब्जियों को लेकर जागरूक हो रहे हैं। वे रेगुलर इनका इस्तेमाल करने लगे हैं। देशभर में ऑर्गेनिक फूड का प्रचलन होना चाहिए, यह हेल्थ के लिए बहुत जरूरी है।

2021 में बेचे 20 लाख रुपए के पपीते

वेदप्रकाश को अब माउथ पब्लिसिटी का फायदा मिल रहा है। पिछले साल 2021 में वेदप्रकाश ने जोधपुर में 20 लाख रुपए के ऑर्गेनिक पपीते बेचे। ग्राहकों ने कहा कि उन्होंने कभी भी इतने शानदार और टेस्टी पपीते नहीं खाए। वेदप्रकाश ने कहा कि फ्रूट्स को जल्दी पकाने के लिए दवाओं का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में फल दिखते अच्छे हैं, लेकिन उनमें टेस्ट नहीं होता। ये फल शरीर के लिए भी नुकसानदेह होते हैं। ऑर्गेनिक फल-सब्जियां दिखने में भले चमकदार न हों, लेकिन उनकी गुणवत्ता नैचुरल होती है।

जोधपुर में पहला ऑर्गेनिक फ्रूट वैजिटेबल सप्लाई चेन

वेदप्रकाश की 4 गाड़ियां ऑर्गेनिक फ्रूट वैजिटेबल सप्लाई में लगी हुई हैं। इनमें अलग-अलग एरिया वाइज 8 लोगों का स्टाफ है। रोजाना सुबह 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक सप्लाई का काम होता है। जोधपुर का यह पहला ऐसा ऑर्गेनिक फूड सप्लाई चेन है, जो कस्टमर को घर तक डिलीवरी देता है। किसान से सब्जी खरीदकर कस्टमर के घर तक पहुंचाने का कोई चार्ज नहीं लिया जाता। लिहाजा इन सब्जियों के दाम आम आदमी की पहुंच में हैं और साधारण सब्जियों के लगभग ही हैं।

कमाई की परवाह नहीं, सिर्फ शुद्धता पर फोकस

वेदप्रकाश कहते हैं कि ऑर्गेनिक सब्जियां का प्रयोग करने वाले कहते हैं कि उन्हें सब्जियों का ऑरिजनल स्वाद ऑर्गेनिक सब्जियों में ही आता है। इनसे बेतहाशा कमाई नहीं हो सकती, क्योंकि ये सब्जियां खेत में बिना केमिकल, बिना दवा छिड़काव के पैदा होती हैं, खेत में जैविक खाद का ही इस्तेमाल होता है, ऐसे में प्रोडक्शन कम रहता है।

वेदप्रकाश के घर में अब नमक और मिर्च मसाले भी ऑर्गेनिक ही इस्तेमाल होते हैं। उनके स्टोर में भी ये मसाले मिलते हैं, जिन्हें बड़े पैमाने पर लोग खरीदने लगे हैं। लोगों की रसोई अब ऑर्गेनिक मसालों और सब्जियों से सजी है। आज की तारीख में हेल्थ सबसे बड़ी मांग है और ये मांग वेदप्रकाश पूरी कर रहे हैं।

वेदप्रकाश का कहना है- खेत ने चार भाइयों के पूरे परिवार को जोड़ रखा है। पत्नी देविका खेतों में हाथ बंटाकर खुश हैं। बेटी और दो बेटों को शुद्ध आहार मिल रहा है। चार गायें हैं। गायों को भी ऑर्गेनिक चारा ही मिल रहा है। ऑर्गेनिक खेती न मवेशियों के लिए नुकसानदेह है, न इंसानों के लिए और न धरती मां के लिए। कुल मिलाकर इसे समाजसेवा कह सकते हैं और मेरे ख्याल से अपने परिवार और लोगों की सेहत बनाए रखना फायदे का ही सौदा है।

मेडिकल माफिया को भगाएं आंवला अपनाएं

जिस दिन आपकी सब्जी में आंवले का उपयोग होना आरंभ हो जायेगा उस दिन से आधा मेडिकल माफिया जो आपको दिन रात लूटता रहता है वह भाग जाएगा। सनातन काल से भारत में सब्जी में खट्टापन लाने के हेतु टमाटर के स्थान पर आंवले का प्रयोग होता था। इसलिये सनातन हिंदुओं की हड्डियां महर्षि दधीचि की भांति कठोर होती थीं, इतनी मजबूत होती थी कि महाराणा प्रताप का महावजनी भाला उठा सकती थीं। आज हजारों प्रकार के कैल्शियम विटामिन्स खाने के बाद भी जवानी में ही हड्डियां कीर्तन करने लगती हैं। जिस मौसम में देशी टमाटर मिले तो ठीक लेकिन अंडे जैसे आकार के अंग्रेजी टमाटर खाने के स्थान पर आंवले का प्रयोग आपकी सब्जी को स्वादिष्ट भी बनाएगा और आपको मेडिकल माफिया के मकड़जाल से भी बाहर निकालेगा।

आंवला ही एक ऐसा फल है जिसमे सब तरह के रस होते है। जैसे आंवला, खट्टा भी है मीठा भी कड़वा भी है नमकीन भी। आँवले सनातन संस्कृति में महत्तम इतना है कि दीपावली के कुछ दिन बाद आँवला नवमी मनाई जाती है। आपको करना केवल इतना है कि साबुत या कटा हुआ आँवला, बिना बच्चों और आधुनिक सदस्यों को बताए सब्जी में डाल देना है। अगर आँवला साबुत डाला है तो सब्जी बनने के बाद उसको ऐसे ही खा सकते है। जब आंवला नहीं मिलता तो आँवले को सुखा कर पीस कर इसका प्रयोग उचित है। आंवला का चूर्ण बाजार में मिलता है, उसे भी उपयोग ने ला सकते है। और हां... केवल देसी आंवले का ही उपयोग करें... लैब में बने Hybrid आंवला का कोई लाभ नहीं। आंवला को ब्रह्म रसायन भी कहा जाता है, असंख्य बीमारियों को अकेला ठीक करने वाली अचूक औषधि है आंवला। बेहतर हो कि आपको देसी आंवला जब भी मिले आप उसके बीजों को अपने परिचितों के यहां जो दीजिये, कुछ समय मे कई स्थानों पर देसी आंवला सुलभ प्राप्त होने लगेगा।

सम्मान समारोह में वक्ताओं ने समाज के युवाओं से नीट, जेईई व सिविल सर्विसेज की तैयारी में जुटने का आव्हान किया

सैनी जागृति संस्था सीकर द्वारा समाज की 500 प्रतिभाओं का सम्मान समारोह आयोजित

सीकर। सैनी जागृति संस्था ने शेखावाटी की शिक्षा, खेल, नव चयनित सरकारी कर्मचारी व अधिकारी, उत्कृष्ट कार्य करने वाले करीब 500 प्रतिभाओं का सम्मान किया। 10 वीं 85 प्रतिक्षत, 12 वीं में 80 प्रतिक्षत, स्नातक में 70 प्रतिक्षत अंक प्राप्त करने वाले स्टूडेंट, नीट, जेईई और राजकीय सेवा में चयनित युवाओं का भी सम्मान किया गया। समारोह ज्योतिबा फुले सर्किल के पास केशव पैलेस में हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के सामने भी चुनाव लड़ा है। उन्होंने पूर्व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदनलाल सैनी के सादगीपूर्ण जीवन व पार्टी की निष्ठा के प्रति निष्ठा से युवाओं को प्रेरणा लेने की बात कही। कहा कि जो व्यक्ति जिस पार्टी में काम कर रहा है वह पूर्ण निष्ठा से जुटा रहे। समाज के युवा वर्ग को शिक्षा व खेल क्षेत्र के साथ ही हर क्षेत्र में आगे ले जाने के लिए सभी को सामूहिक प्रयास करने होंगे।

शेखावाटी में सीकर का सैनी समाज अग्रणी है। मुख्य अतिथि रीको के निदेशक सुनील परिहार ने स्टूडेंट्स से कहा कि शिक्षा में अन्य सफल अभ्यर्थियों से प्रेरणा लेते हा आगे बढ़ना चाहिए। नीट, जेईई, सिविल सर्विसेज की तैयारी में जुटना चाहिए। विशिष्ट अतिथि भाजपा प्रदेश मंत्री अशोक सैनी व श्रम विभाग जयपुर के विशिष्ट सहायक आलोक सैनी रहे। अशोक सैनी ने कहा कि अभिभावक अपने बच्चों को नशा व गलत संगत से दूर रखें और शिक्षा में आगे बढ़ाएं क्योंकि शिक्षा ही समृद्धी के सारे दरवाजे खोलती है। उन्होंने कहा कि सावित्री बाई फुले भारत की प्रथम महिला शिक्षिकाओं में से एक रहीं उन्हें भारत रत्न से सम्मानित करने की मांग की। भाजपा प्रदेश संयोजक व फुले ब्रिगेड के प्रदेश सलाहकार रतनलाल सैनी ने कहा कि हमारे महापुरुष सर्व समाज को साथ लेकर चले और सभी को आगे बढ़ाया था। वंचित व शोषित समाज को शिक्षित करने का कार्य महात्मा ज्योतिबा फुले व सावित्री बाई फूले ने किया है।

उन्होंने कहा कि शादी समारोह में खर्चा कम करें, बच्चों की शिक्षा पर लगाएं पैसे भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष व राज्यसभा सांसद रहे मदनलाल सैनी की स्मारक पर राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत, भाजपा मंत्री अशोक भादरा, रतनलाल सैनी आदि ने पुष्प अर्पित किए। सावित्री बाई फूले शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष प्रेमप्रकाश सैनी ने कहा कि समाज के लोगों को शादी व अन्य समारोह में खर्चा कम करना चाहिए और उस पैसे को बच्चों की शिक्षा पर लगाना चाहिए।

इस दौरान साहित्य समीक्षा संस्था के उप निदेशक व व्याख्याता डॉ. अनिल सैनी द्धयात्रीऋ की पुस्तक गुफ्तगू द्धखुद से खुद कीऋ का विमोचन किया। सैनी इससे पहले भी विकास योजना व महिला प्रस्थिति नाम से किताब लिख चुके हैं।

समाज के लिए संघर्ष करने वालों को भी किया सम्मानित

समाज के लिए संघर्ष करने वाले भाजपा प्रदेश संयोजक रतनलाल सैनी, फुले ब्रिगेड रामलखन कांवट, बजरंग फौजी, नाथूराम हर्ष, श्रवण हर्ष को साफा पहना व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। उदयपुरवाटी नगर परिषद सभापति रामनिवास सैनी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता गंगा बक्स सैनी, सैनी समाज सीकर के जिलाध्यक्ष भंवरलाल गार्ड, सचिव ओपी सैनी, सैनी जागृति मंच के अध्यक्ष विष्णु सैनी, सुमित्रा सैनी और नगर परिषद की पूर्व सभापति राजेश्वरी सैनी रहीं। सम्मान समारोह में सावित्री बाई फुले कॉलेज सहित कई शिक्षण संस्थाओं के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गई। स्काउट-गाइड, एनसीसी और खिलाड़ियों का भी सम्मान किया। कार्यक्रम को लेकर सैनी समाज संस्था के साथ फुले ब्रिगेड, महात्मा ज्योतिबा फुले शिक्षण संस्थान, अधिकारी-कर्मचारी सेवा संस्था ने जिम्मेदारी संभाली।

माली सैनी संदेश के आजीवन सदस्यता सूची

श्री रामचंद्र गोविंदराम सोलंकी, जोधपुर
श्री नरेश स्व. श्री बलदेवसिंह गहलोत,जोधपुर
श्री प्रभाकर टाक (पूर्वअध्यक्ष नगर पालिका), पीपाड़
श्री बाबूलाल(पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका), पीपाड़
श्री बंशीलाल मरोठिया, पीपाड़
श्री बाबूलाल पुत्र श्री दयाराम गहलोत, जोधपुर
श्री सोहनलाल पुत्र श्री हापुराम देवड़ा, मथानियां
श्री अमृतलाल पुत्र श्री ब्रह्मसिंह परिहार, जोधपुर
श्री भोमाराम पंवार(पूर्व उपा., नगरपालिका, बालोतरा
श्री रमेशकुमार पुत्र श्री शंकरलाल गहलोत, बालोतरा
श्री लक्ष्मीचंद पुत्र श्री मोहनलाल सुंदेशा, बालोतरा
श्री वासूदेव पुत्र श्री बाबूलाल गहलोत, बालोतरा
श्री मेहश पुत्र श्री भगवानदास चौहान, बालोतरा
श्री हेमाराम पुत्र श्री रूपाराम पंवार, बालोतरा
श्री छगनलाल पुत्र श्री मिश्रीलाल गहलोत, बालोतरा
श्री सोनाराम पुत्र श्री देवाराम सुंदेशा, बालोतरा
श्री सुजाराम पुत्र श्री पुनम सुंदेशा, बालोतरा
श्री नरेन्द्रकुमार पुत्र श्री अणदाराम पंवार, बालोतरा
श्री शंकरलाल पुत्र श्री मिश्रीमल परिहार, बालोतरा
श्री घेवरचंद पुत्र श्री भोमजी पंवार, बालोतरा
श्री रामकरण पुत्र श्री किशनाराम माली, बालोतरा
श्री रतन पुत्र श्री देवजी परिहार, बालोतरा
श्री मोहनलाल पुत्र श्री रतनाजी परमार, बालोतरा
श्री कैलाश काबली(अध्यक्ष माली समाज), पाली
श्री घीसाराम देवड़ा(मं. महामंत्री, भाजपा), भोपालगढ़
श्री शेषाराम पुत्र श्री मांगीलाल टाक, पीपाड़
श्री बाबूलाल माली,(पूर्व सरपंच, महिलावास) सिवाणा
श्री रमेशकुमार सांखला, सिवाणा
श्री श्रवणलाल कच्छवाहा, लवेरा बावड़ी
संत श्री हजारीलाल गहलोत, जैतारण
श्री मदनलाल गहलोत, जैतारण
श्री राजूराम सोलंकी, जालोर
श्री जितेन्द्र जालोरी, जालोर
श्री देविन लच्छाजी परिहार, डीसा
श्री हितेशभाई मोहनभाई पंवार, डीसा
श्री प्रकाश भाई नाथालाल सोलंकी, डीसा
श्री मगनलाल गीगाजी पंवार, डीसा
श्री कांतिभाई गलबाराम सुंदेशा, डीसा
श्री नवीनचंद दलाजी गहलोत, डीसा
श्री शिवाजी सोनाजी परमार, डीसा
श्री पोपटलाल चमनाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री भोगीलाल डायाभाई परिहार, डीसा
श्री मुकेश ईश्वरलाल देवड़ा, डीसा
श्री सुखदेव वक्ताजी गहलोत, डीसा
श्री दरगाजी अमराजी सोलंकी, डीसा
श्री भरतकुमार परखाजी सोलंकी, डीसा
श्री जगदीश कुमार रमाजी सोलंकी, डीसा
श्री किशोरकमुार सांखला, डीसा
श्री बाबूलाल गीगाजी टाक, डीसा
श्री देवचंद, रगाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सतीशकुमार लक्ष्मीचंद सांखला, डीसा
श्री गणपतलाल नारायण सोलंकी, डीसा
श्री रमेशकुमार भूराजी परमार, डीसा
श्री वीराजी चेलाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सोमाजी रूपाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री शंकरलाल नारायणजी सोलंकी, डीसा
श्री फुलाजी परखाजी सोलंकी, डीसा

श्री अशोककुमार पुनमाजी सुंदेशा, डीसा
श्री देवाराम पुत्र श्री मांगीलाल परिहार, जोधपुर
श्री संपतसिंह पुत्र श्री बींजाराम गहलोत, जोधपुर
श्री भगवानराम पुत्र श्री अचलुराम गहलोत, जोधपुर
श्री जितेन्द पुत्र श्री प्रेमसिंह कच्छाहा, जोधपुर
श्री सीताराम पुत्र श्री रावतमल सैनी, सरदारशहर
श्री जीवनसिंह पुत्र श्री शिवराज सोलंकी, जोधपुर
श्री घेवरजी पुत्र श्री भोमजी, सर्वोदय सोसायटी, जोधपुर
श्री जयनाराण गहलोत, चौपासनी चारणान, मथानियां
श्री अशोककुमार, श्री लक्ष्मीनारायण सोलंकी, जोधपुर
श्री मोहनलाल, श्री पुरखाराम परिहार, चौखा, जोधपुर
श्री प्रेमकिशन पुत्र श्री भंवरलाल सोलंकी, चौखा
श्री हरीसिंह पुत्र श्री चुन्नीलाल गहलोत, जैसलमेर
श्री विजय परमार, तुषार मोटर्स एण्ड कंपनी, भीनमाल
श्री भंवरलाल पुत्र श्री किस्तुर सोलंकी, भीनमाल
श्री शिवलाल परमार, भीनमाल
श्री ओमप्रकाश परिहार, राजस्थान फार्मेसिया, जोधपुर
श्री प्रेमप्रकाश सैनी, मिलन रेस्टोरेण्ट, सीकर
श्री लक्ष्मीकांत पुत्र श्री रामलाल भाटी, सोजतरोड़
श्री रामअकेला, पुत्र श्री गोकुलराम सैनी, पीपाड़ शहर
श्री नरेश देवड़ा, देवड़ा मोटर्स, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह सांखला, सांखला सिमेंट, जोधपुर
श्री कस्तुरराम पुत्र श्री हिमाजी सोलंकी, भीनमल
श्री सांवरराम परमार, भीनमाल
श्री भारताराम परमार, भीनमाल
श्री विजय पुत्र श्री गुमानराम परमार, भीनमाल
श्री डी. डी. पुत्र श्री भंवरलाल भाटी, जोधपुर
श्री ब्रजमोहन पुत्र स्व. श्री रामस्वरूप परिहार, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह पुत्र श्री किशोरलाल परिहार, जोधपुर
श्री जयसिंह पुत्र श्री ओमदत्त गहलोत, जोधपुर
श्री मनोहरलाल पुत्र श्री मदनलाल गहलोत, जोधपुर
श्री समुन्द्रसिंह पुत्र श्री नारायणसिंह परिहार, जोधपुर
श्री हिम्मतसिंह पुत्र श्री हरीसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री हनुमानसिंह पुत्र श्री बालूराम सैनी, आदमपुरा
श्री अशोक सांखला, पीपाड़
श्री अशोक पुत्र श्री सोहन सांखला, जोधपुर
श्री नटवरलाल माली, जैसलमेर
श्री दिलीप तंवर, जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह पंवार, जोधपुर
श्री संपतसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री जगदीश सोलंकी, जोधपुर
श्री मुकेश सोलंकी, जोधपुर
श्री श्यामलाल गहलोत, जोधपुर
श्री अमित पंवार, जोधपुर
श्री राकेशकुमार सांखला, जोधपुर
श्री रविन्द्र गहलोत, जोधपुर
श्री रणजीतसिंह भाटी, जोधपुर
श्री तुलसीराम कच्छवाहा, जोधपुर
सैनी उच्च माध्यमिक विद्यालय, भोपालगढ़
माली श्री मोहनलाल परमार, बालोतरा
श्री अरविंद सोलंकी, जोधपुर
श्री सुनील गहलोत, जोधपुर
श्री कुंदनकुमार पंवार, जोधपुर
श्री मनीष गहलोत, जोधपुर
श्री योगेश भाटी, अजमेर
श्री रामनिवास कच्छवाहा, बिलाड़ा
श्री प्रकाशचंद सांखला, ब्यावर

श्री झूमरलाल गहलोत, जोधपुर
श्री गुमानसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री अशोक सोलंकी, जोधपुर
श्री महावीर सिंह भाटी, जोधपुर
श्री जयप्रकाश कच्छवाहा, जोधपुर
श्री अशोक टाक, जोधपुर
श्री नरेन्द्रसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री मदनलाल गहलोत, सालावास, जोधपुर
श्री नारायणसिंह कुशवाहा, मध्य प्रदेश
श्री भंवरलाल देवड़ा, बावड़ी, जोधपुर
श्री जवाराराम परमार, रतनपुरा (जालोर)
श्री रूड़ाराम परमार, सांचौर
श्री जगदीश सोलंकी, सांचौर
श्री कपूरचंद गहलोत, मुबंई
श्री टीकमचंद प्रभुराम परिहार, मथानिया
श्री अरूण गहलोत, गहलोत क्लासेज, जोधपुर
श्री विमलेश नेनाराम गहलोत, मेड़तासिटी (नागौर)
श्री कैलाश ऊँकारराम कच्छवाहा, जोधपुर
माली (सैनी) सेवा संस्थान सब्जी मण्डी, पीपाड़
श्री मदनलाल सांखला, बालरंवा
श्री भीकाराम खेताराम देवड़ा, तिंवरी
श्री गणपतलाल सांखला, तिंवरी
श्री रामेश्वरलाल गहलोत, तिवंरी
श्री देवाराम हिरालाल माली, मुंबई,
श्री घनश्याम झुमरलाल टाक, खेजड़ला
श्री मिश्रीलाल जयनारायण कच्छवाहा, चौखा, जोधपुर
अखिल भारतीय माली (सैनी) सेवा सदन, पुष्कर
श्री सुगनाराम पुत्र श्री बुधाराम भाटी, पीपाड़ शहर
श्री पारसराम पुत्र श्री जयसिंह सोलंकी, जोधपुर
श्री रूपचंद पुत्र श्री भंवरलाल मरोठिया, पुष्कर
श्री धनाराम पुत्र श्री जुगाराम गहलोत,सालावास, जोधपुर
श्री कृपाराम पुत्र श्री आईदान सिंह परिहार, चौखा,जोधपुर
सरपंच श्री रामकिशोर पुत्र श्री हप्पाराम टाक, बालरवां
श्रीमती अंजू(पं.समिति सदस्य), सुपुत्री श्री ढ़लारामगहलोत, चौपासनी चारणान
श्री केवलराम पुत्र श्री शिवराम गहलोत, चौपासनी चारणान
श्री रामेश्वर पुत्र श्री सवाई राम परिहार, मथानियां
सरपंच श्रीमती मिनाक्षी पत्नी श्री चद्रसिंह देवड़ा, मथानियां
सरपंच श्रीमती गुड्‌डी पत्नी श्री खेताराम परिहार, तिंवरी
श्री अचलसिंह पुत्र श्री रूपाराम गहलोत, तिंवरी
श्रीमती रेखा(उप प्रधान) पत्नी श्री संजय परिहार, मथानियां
श्री चैनाराम पुत्र श्री माणकराम देवड़ा, मथानियां
श्री अरविंद पुत्र श्री भंवरलाल सांखला, मथानियां
श्री उम्मेद सिंह टाक पुत्र स्व. सेठ श्री कनीराम टाक, जोधपुर
श्री गिरधारीराम पुत्र श्री राजुराम कच्छवाहा, खींवसर
श्री देवेन्द्र सिंह पुत्र श्री सुरेन्द्र सिंह गहलोत
श्री मदनलाल (ग्राम सेवक) पुत्र श्री सोमाराम गहलोत, मथानियां
श्री लिखमाराम सांखला पुत्र श्री छोटुराम सांखला, रामपुरा भाटियान, तिंवरी
सरपंच श्रीमती संजू पत्नी श्री हुकमाराम सांखला, रामपुरा भाटियान, तिंवरी
श्री श्यामलाल पुत्र श्री मांगीलाल गहलोत, मथानियां त. तिंवरी
श्री खेताराम सोलंकी, लक्ष्मी स्टोन कटिंग, पीपाड़ शहर
श्री गोबरराम पुत्र श्री हरीराम कच्छवाहा, पीपाड़ शहर
श्री शंभु पुत्र श्री मूलचंद गहलोत, अजमेर
श्री रामनिवास पुत्र श्री पुनाराम गहलोत, जोधपुर

हार्दिक बधाई

पीपाड़ की बेटी
प्रियंका टाक
के एम्स नर्सिंग ऑफिसर द्वारा ऑल इंडिया रैंक में 532 वी रैंक प्राप्त करने पर हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की कामनाएं।

निशा सैनी
पुत्री सुरेन्द्र मंजू सैनी के राजस्थान महिला टी-20 के सलेक्शन पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

युवा क्रिकेटर महवा दौसा के गांव पाली की
सुश्री सोनम सैनी
को अन्डर-19 महिला क्रिकेट टीम टी- 20 में चयन होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

समाज गौरव, नेक, ईमानदार, निर्भीक और निष्पक्ष अधिकारी
विशनाराम देवड़ा
को जेडीए उपायुक्त बनने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

सुशील सैनी
तहसीलदार से एसडीएम (एडिशनल डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट - सीकर) पदोन्नति होने पर हार्दिक शुभकामनाएं.

श्रीमती भावना सैनी (दौसा-राज.) एवं श्रीमती सीता भाटी (कोटा) को समाज कल्याण बोर्ड (राज्य सरकार) में सदस्य मनोनीत होने पर हार्दिक शुभकामनाएं..

मेजर ध्यानचंद कुशवाहा स्पोर्ट्स स्टेडियम सैफई में आयोजित 56 वी यू पी स्टेट जूनियर एथलेटिक्स चौंपियनशिप की अंडर 14 कैटेगरी में डिंपी सैनी ने शॉटपुट इवेंट्स में गोल्ड मेडल जीतकर अपने परिवार, समाज और क्षेत्र का नाम रोशन किया। हम सभी की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

श्री धर्माराम सोलंकी, सोलंकी खाद बीज, फलोदी
श्री धनराज पुत्र श्री राणाराम सोलंकी, पीपाड़ शहर
श्री संपतराज पुत्र श्री बाबुलाल सैनी, पीपाड़ शहर
सी. ए. श्री महेश पुत्र श्री आनंदीलाल गहलोत, जोधपुर
श्री हनुमान सिंह गहलोत, हनुमान टेंट हाऊस, जोधपुर
श्री मयंक पुत्र श्री दीनदयाल देवड़ा, जोधपुर
श्री नित्यानंद पुत्र श्री धनसिंह सांखला, जोधपुर
श्री महेश पुत्र श्री अमरसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री धनसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री कैलाश पुत्र श्री श्यामलाल गहलोत, जोधपुर,
श्री भारतसिंह पुत्र श्री लिखमाराम कच्छवाहा, जोधपुर
श्री संदीप पुत्र श्री नृसिंह कच्छवाहा, जोधपुर
श्री धमेन्द्र पुत्र श्री संतोष सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री निर्मल सिंह (एस.ई.)पुत्र श्री भजनसिंह कच्छवाहा, जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह कच्छवाहा(चैयरमेन, पीपाड़) पुत्र श्री पुखराज कच्छवाहा, पीपाड़
श्री अमृतलाल टाक पुत्र श्री चेनाराम टाक, बुंचकला, पीपाड़
श्री चांदरतन पुत्र श्री माणकचंद सांखला, बीकानेर
श्री कमलेश पुत्र श्री मुल्तान सिंह कच्छवाहा, पीपाड़ शहर
श्री सहीराम पुत्र श्री हिन्दुराम गहलोत, पीपाड़ शहर
श्री मनमोहन पुत्र श्री मनोहर सिंह सांखला, जोधपुर
श्रीमती कमला धर्मपत्नी श्री रमेशचंद्र माली, जोधपुर
श्री दशरथ पुत्र श्री विशन सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री राजकुमार पुत्र श्री रतनलाल सोलंकी, जोधपुर

श्री मेवाराम पुत्र स्व. श्री नारायण सोलंकी, जोधपुर
श्री गंगाराम पुत्र श्री हरीराम सोलंकी, जोधपुर
डॉ. हिरालाल पुत्र श्री मादुराम पंवार, जोधपुर
श्री गंगाराम पुत्र श्री किशनलाल सोलंकी, जोधपुर
श्री धरमाराम भाटी, अध्यक्ष क्षत्रिय माली समाज माधपुर (तमिलनाडु)
श्री राहुल भाटी सुपुत्र श्री जितेन्द्रसिंह भाटी, जोधपुर
श्री किसनाराम देवड़ा, श्री जी एन्टरप्राइजेज, जोधपुर
श्री(इंजि.)तेजप्रताप पुत्र श्री मंगलसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री अभय सिंह पुत्र श्री मांगीलाल गहलोत, जोधपुर
श्री विरेन्द्र सिंह पुत्र श्री आनंदसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री सोहनलाल पुत्र श्री नेपाराम देवड़ा, बालरंवा, तिंवरी
श्री अमृत सांखला, फ्यूचर प्लस क्लासेज, जोधपुर
श्री चेतन देवड़ा पुत्र स्व. श्री मानसिंह देवड़ा, जोधपुर
श्री अरविंद गहलोत (पार्षद) पुत्र श्री मांगलाल गहलोत, जोधपुर
सीए श्री अर्जुन पुत्र श्री कांतिलाल परिहार, बाली, पाली
श्री पप्पुराम पुत्र श्री रामचंद्र गहलोत, चौखा, जोधपुर
डॉ. श्री महेन्द्र भाटी 'त्रिकाल', रायपुर, पाली
श्री रोहित पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री रामेश्वर सिंह पुत्र स्व. लाल सिंह सांखला, जोधपुर
श्री जगन्नाथ सिंह पुत्र श्री मेघसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री हुक्माराम भाटी पुत्र श्री सुखदेवराम भाटी, जोधपुर
श्री श्याम लाल पुत्र श्री बुद्वाराम भाटी, पीपाड़ शहर
श्री लक्ष्मीचंद पुत्र श्री रामकिशन माली, करौली
श्री चेतन सिंह पुत्र श्री संतोकसिंह गहलोत, जोधपुर

श्री लुंबाराम देवड़ा, जगदम्बा पब्लिक स्कूल, जोधपुर
श्री विकास कच्छवाहा पुत्र श्री नरेन्द्रसिंह, जोधपुर
श्री कानाराम सांखला, कानजी स्वीट्स, जोधपुर
श्री कुशाल राम सांखला, रामजी स्वीट्स, जोधपुर
श्री मुकेश टाक पुत्र श्री हरीसिंह टाक, जोधपुर
श्री अरविंद पुत्र श्री आनंदप्रकाश गहलोत, जोधपुर
श्री आनंदसिंह पुत्र श्री जगदीश सिंह सांखला, जोधपुर
श्री जयंत सांखला,आर.एस.एम.विद्याश्रम, जोधपुर
श्री प्रदीप कुमार पुत्र श्री मोहनलाल कच्छावा, अजमेर
श्री ताराचंद पुत्र श्री मोतीलाल सांखला, मथानियां
डॉ. कमल सैनी, सोलन, हिमाचल प्रदेश
श्री ओमप्रकाश सैनी पुत्र श्री गणपत जी लाडंनू
डॉ प्रवीण पुत्र श्री धनसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री राकेश पुत्र श्री छतरसिंह गहलोत, जोधपुर
डॉ. भीमपाल पुत्र श्री बुधाराम गहलोत, जोधपुर
श्री धमेन्द्र कच्छवाहा,भीलवाड़ा
श्री गोविंद पुत्र श्री भगवानसिंह परिहार, जोधपुर
श्री शरद टाक, जोधपुर
श्री मुकेशराज पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री मनोहरलाल पुत्र श्री बाबूलाल गहलोत, जोधपुर
श्री रविन्द्र सिंह परिहार, नागौर मोटर्स, नागौर
श्री अर्जुन सिंह पुत्र श्री कल्याण सिंह कच्छवाह, पीपाड़
श्री कुशाल कच्छवाह, के. के. फिलिंग स्टेशन, जोधपुर
श्री अरविंद पुत्र स्व. श्री पुरूषोत्तम गहलोत, जोधपुर

माली सैनी सन्देश

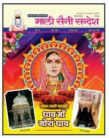

ही क्यों ?

क्योंकि ?

हमारे पास है सैकड़ों एन. आर. आई.
सहित पांच हजार पाठकों का
विशाल संसार

क्योंकि ?

हम बताते है सच्चाई तथा सामाजिक गतिविधियों की संपूर्ण जानकारी जो कि समाज में हो रही है।

हमें विज्ञापन दीजिये

क्योंकि
हमारी क्रियेटिव टीम के साथ
यह सजाती है आपके ब्राण्ड को पूरे
देश ही नहीं विदेशों में भी

घर बैठे माली सैनी संदेश मंगाने के लिए भर कर भेजें

सदस्यता फार्म

दिनांक ____________

माली सैनी संदेश पत्रिका देश के प्रत्येक राज्य के प्रमुख शहरों के साथ ही ग्रामिण क्षेत्रों में माली सैनी समाज के लोगों की जानकारियों आपको विगत 15 वर्षों से हर माह पहुंचाकर समाज के विभिन्न वर्गों में हो रहे समाज उत्थान एवं शिक्षा तथा अन्य क्षेत्र के विकास कार्यो की जानकारी प्रदान कर रहा है। समय समय पर समाज के विभिन्न आयोजनों की भी विस्तृत जानकारी पत्रिका के प्रकाशन के माध्यम से सभी को उपलब्ध कराई जा रही है। यहीं नहीं देश के बाहर विदेशों में रह रहे समाज बंधुओं को भी समाज की संपूर्ण जानकारी वेब–साईट के माध्यम से भी उपलब्ध कराई जा रही है। समाज की प्रथम ई–पत्रिका होने का गौरव भी आप सभी के सहयोग से हमें ही मिला है।

हमारी वेबसाईट www.malisaini.org में समाज के सभी वर्गो की विस्तृत जानकारियां उपलब्ध है एवं www.malisainisandesh.com में हमारी मासिक ई पत्रिका के वर्तमान एवं पूर्व के अंकों का खजाना आपके लिए हर समय उपलब्ध है। आप हमें पे–टी.एम. से मोबाईल नंबर 9414475464 पर भी सदस्यता शुल्क भेज पत्रिका प्राप्त कर सकते है।

डाक से नियमित रूप से निम्न पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका भेजने के लिए डिमाण्ड ड्राफ्ट/ मनीआर्डर माली सैनी संदेश के नाम से भेज रहा हूं।

सदस्यता राशि

दो वर्ष रू. 600/- | **5 वर्ष रू. 1,500/-** | **आजीवन रू. 3,100/-**

नाम/संस्था का नाम ____________________

पता ____________________

फोन/मोबाईल ____________ ई-मेल ____________

ग्राम ________ पोस्ट ________ तहसील ________

जिला ____________ पिनकोड ____________

राशि (रूपये) ____________ बैंक का नाम ____________

डिमाण्ड ड्राफ्ट/मनीआर्डर क्रमांक ____________ (डीडी/एमओ माली सैनी संदेश के नाम से भेजें)

अतः मुझे/हमें भी अंग्राकित पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका डाक द्वारा भेजें।

दिनांक ____________

हस्ताक्षर

होटल सिटी पैलेस के पीछे, नई सड़क, जोधपुर - 01 मो. 77379 54550 (रजि. कार्यालय)

Mobile : 94144 75464 Visit us at : www.malisainisandesh.com
www.malisaini.org. E-mail :malisainisandesh@gmail.com; editor@malisaini.org

RATES

Advertisements

COLOR (Full Page)

Back Cover	10,000/-
Inside Cover	5,000/-

INNER COLOR

Full Page	2,500/-
Half Page	1,500/-
Quarter Page	1,000/-

Cell : 94144 75464

log on : www.malisainisandesh.com
e-mail : malisainisandesh@gmail.com
e-mail : editor@malisaini.org

रजि. कार्यालय : होटल सिटी पैलेस के पीछे, नई सड़क, जोधपुर - 01
मो. 77379 54550 (कार्यालय)

पंजाब के रूपनगर के गुरद्वारा साहिब में पंजाब सैनी सभा द्वारा सैनी सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें सैनी महासभा के सभी सदस्यों द्वारा पूर्व सांसद राजकुमार सैनी पटका व अमर शहीद बीबी सिमर कौर का स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। जिसमें कुरुक्षेत्र लोकसभा से पूर्व में सांसद रहे गुरदयाल सैनी,कुरुक्षेत्र से मौजूदा लोकसभा सांसद नायब सैनी, कुरुक्षेत्र सैनी सभा प्रधान गुरनाम सैनी, दिल्ली से राजबाला सैनी, रोपड़ से कमलेश सैनी व अन्य समाज के सम्मानित व्यक्ति भी मौजूद रहे।

महाराजा शूर सैनी क्लब द्वारा हाल ही में हुए ग्राम पंचायत चुनावों में बड़ी संख्या में सैनी समाज के उम्मीदवारो द्वारा शानदार जीत हासिल करने पर हरिद्वार-उत्तराखंड में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस आयोजन में सभी विजेताओं को सम्मान दिया गया साथ ही में वरिष्ठ नेताओं ने समाज को हर चुनाव में एक जुट होने का निवेदन किया

सैनी, शाक्य, मौर्य, कुशवाहा शिक्षक संघ एवं जिला सैनी सभा मुरादाबाद द्वारा हाई स्कूल एवं इंटर में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित कर सम्मानित किया गया।

माली सैनी संदेश पत्रिका के 19 वर्ष पूर्ण होने पर हम समाज की गौत्र अनुसार सभी कुल देवियों एवं देवताओं के ऐतिहासिक परिचय का संकलन मूल प्रकट स्थान मय कलर फोटो का प्रकाशन किया जा रहा है।

माली सैनी सन्देश कुलदेवी

आपनी प्रति (ऐतिहासिक संकलन) आज ही बुक कराने के लिए संपर्क करें।

नवम्बर : 2022 में प्रकाशित

Mob. : 94144 75464

www.malisainisandesh.com

प्रेषण तिथि : 28/29 अक्टूबर, 2022
समाचार पत्रिका पंजीयन सं. :RAJHIN/2013/60831
मुद्रण तिथि : 28 अक्टूबर, 2022
Postal Regd No. Jodhpur/496/2021-23
प्रेषण स्थान : RMS जोधपुर

न हि मानुषात श्रेष्ठतम् किंचित
(अर्थात मानवता से बढ़कर कोई धर्म नहीं है)

श्री जिनके संग चलती, हृदय में करूणा का भान होता है
ऐसे मानवता के मसीहा से ही, मनुष्यता का सम्मान होता है

भ भरोसा बने दीन हीन के दिया सम्बल लाचार को।
कौन भुला सकता है, इस महात्मा के उपकार को ॥

ग गरीबों को सेवा हेतु नेत्र चिकित्सा शिविर लगवाएं।
जन-जन में किया शिक्षा का प्रचार ज्ञान के दीप जलाए ॥

वा वाटिका शिशुओं को खोलकर, अनूठा प्रयोग किया।
ममता विहिन बचपन को, आपार वात्सल्य दिया ॥

न नवजीवन संस्थान कहती आपकी कहानी है।
इस धरती पर देवतुल्य हुआ कोई प्राणी है ॥

सिं सिंह की भांति कर्म पथ पर बढ़ते गए।
मानव उपकार की मिसालें गढ़ते गए ॥

ह हर निःशक्त के लिए बने एक मजबूत सहारा।
वृद्धों हेतु बनाया, वरिष्ठ नागरिक सदन प्यारा ॥

प पर पीड़ा को ही जानी सदैव अपनी पीड़ा।
निर्बल को सम्बल देने का उठाया आपने बीड़ा ॥

रि रिक्त नहीं होने दिया मानवता को इस धरा से।
आप सच्चे लाल है इस पावन मरूधरा के ॥

हा हाथ में लिया जो काम, उसको पूरा कर दिखलाया।
नशा नाश का घर है, जन-जन को यह समझाया ॥

र रग-रग आपकी जैसे परमार्थ के गीत गाती है।
आप जैसे भूमिपूत्रों से ही गौरान्वित मरूधरा की थाती है ॥

मानवता के मसीहा मारवाड़ के समाज रत्न

श्री भगवानसिंह परिहार

(संरक्षक लवकुश बाल विकास केन्द्र व आस्था वरिष्ठ नागरिक सदन)

परम आदरणीय बाऊजी की 93वीं जन्म जयंति पर सादर नमन

हम आपके दिखाएं सेवा के मार्ग पर
प्रतिपल चलने का संकल्प लेते है।

श्रद्धावनत :

माली सैनी संदेश परिवार, जोधपुर
9414475464

माली सैनी समाज

स्वत्वाधिकारी संपादक / मालिक / प्रकाशक / मुद्रक
मनीष गहलोत के लिए भण्डारी ऑफसेट, न्यू पॉवर हाऊस
सेक्टर-7, जोधपुर से छपवाकर माली सैनी संदेश कार्यालय
सोजती गेट के अंदर, जोधपुर (राजस्थान) से प्रकाशित
फोन : 9414475464
ई-मेल - malisainisandesh@gmail.com

पत्र व्यवहार के लिए पता
P.O. Box No. 09, JODHPUR